सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 34 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 17 नवंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### संविदा कर्मचारियों के लिए खुशखबरीः सरकार का बड़ा फैसला, सभी को किया जाएगा नियमित

**लखनऊ ( एजेंसी )।** भले ही संविदा कर्मचारी सरकारी विभागों में काम करते हो, लेकिन उनकी नौकरी पक्की नहीं रहती है। नियमित भर्ती या निश्चित समय के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है। लंबे समय से अपने नियमितीकरण के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। इसी बीच संविदा कर्मचारियों के लिए एक बार फिर अच्छी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश सरकार नगरीय निकायों के संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की तैयारी कर रही है। सरकार ने इस संबंध में विभाग और निकायों से प्रस्ताव मंगाया है। बताया जा रहा है कि सरकार इस पर जल्द ही फैसला ले सकती है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के नगरीय निकायों के संविदा कर्मचारी लंबे समय से नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। समय-समय पर प्रदेश के प्रदर्शन कर सरकार पर दवाब बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकार अब शहरी निकायों के अनियमित कर्मचारियों को पक्की नौकरी देने की तैयारी कर रही है। सरकार ने इसके लिए प्रदेश के सभी निकायों से प्रस्ताव मंगाया है। इधर निकायों ने भी प्रस्ताव तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है। शहरी निकायों से सहमति का प्रस्ताव मिलने के बाद वित्त और कार्मिक विभाग से सहमति लेकर स्थायीकरण के आदेश जारी किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि इस महीने के अंदर निकायों के सभी कर्मचारियों को नियमित कर दिया जाएगा।

### आप को बड़ा झटकाः दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत का इस्तीफा, केजरीवाल को भेजी चिट्ठी

**दिल्ली ( एजेंसी )।** आम आदमी पार्टी को रविवार को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली के मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता कैलाश गहलोत ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल को इस्तीफा भेजा है। इसके साथ ही एक पत्र भी उन्होंने केजरीवाल को भेजा है।

न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, दिल्ली के मंत्री और आप नेता कैलाश गहलोत ने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। पत्र में लिखा है, शीशमहल जैसे कई शर्मनाक और अजीबोगरीब विवाद हैं, जो अब सभी को संदेह में डाल रहे हैं कि क्या हम अभी भी आम आदमी होने में विश्वास करते हैं...अब यह स्पष्ट है कि अगर दिल्ली सरकार अपना अधिकांश समय केंद्र से लड़ने में बिताती है तो दिल्ली के लिए वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती। मेरे पास आप से अलग होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है और इसलिए मैं आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

### सुकमा कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई : कोंटा नगर पंचायत के इंजीनियर देवेन्द्र पहाड़ी को किया सस्पेंड

**सुकमा।** छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कोंटा नगर पंचायत के उप अभियंता देवेंद्र कुमार पहाड़ी को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में कलेक्टर ने आदेश जारी तत्काल प्रभाव से लागू किया।

दरअसल कोंटा नगर पंचायत के उप अभियंता देवेंद्र कुमार पहाड़ी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के खिलाफ सोशल मीडिया में अभद्र टिप्पणी की थी। कोंटा भाजपा मंडल अध्यक्ष और जिला भाजपा के पदाधिकारियों ने मामले को लेकर कलेक्टर देवेश ध्रुव सहित मंत्री केदार कश्यप और अरुण साव से शिकायत की थी। शिकायत के बाद कलेक्टर ने इस मामले में देवेंद्र कुमार पहाड़ी को निलंबित कर दिया है।

## प्रापर्टी खरीदी पर छत्तीसगढ़ सरकार ने दी बड़ी राहत

# अब गाइड लाइन मूल्य पर ही लगेगा रजिस्ट्री शुल्क

### सीएम साय की पहल, वास्तविक मूल्य पर मिल सकेगा बैंक से लोन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पहल पर छत्तीसगढ़ सरकार ने संपत्ति खरीदने वाले मध्यम वर्ग के लोगों को बड़ी राहत दी है। अब किसी भी प्रापर्टी की खरीद-बिक्री में गाइड लाइन दर से सौदे की रकम अधिक होने पर भी रजिस्ट्री शुल्क गाइड लाइन दर के अनुसार ही लिया जाएगा। इससे बैंक लोन पर निर्भर मध्यम वर्गीय परिवार को वास्तविक मूल्य के आधार पर ऋण मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में लिए गए इस फैसले से विशेषकर उन नागरिकों को लाभ होगा, जो बैंक ऋण के माध्यम से संपत्ति खरीदते हैं। पूर्व में संपत्ति की खरीद-बिक्री में गाइड लाइन दर और सौदे की राशि में जो भी

अधिक होता था, उस पर रजिस्ट्री शुल्क देना आवश्यक था। इस नियम में संशोधन के बाद संपत्ति खरीदने वाले अब सौदे की रकम गाइड लाइन दर से अधिक होने पर भी वास्तविक मूल्य को अंकित कर सकते हैं और इसके लिए उन्हें कोई रजिस्ट्री शुल्क नहीं देना होगा।

#### लोन लेने में होगी सहूलियत

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि इस संशोधन से मध्यम वर्गीय परिवारों को वास्तविक मूल्य के आधार पर अधिक बैंक ऋण प्राप्त करने में सहूलियत होगी। इसके अलावा यह निर्णय संपत्ति बाजार में पारदर्शिता व स्पष्टता को बढ़ाने में भी सहायक होगा और इससे वास्तविक मूल्य दर्शाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा। देश के अन्य राज्यों में जमीन की गाइडलाइन कीमत या सौदा मूल्य दोनों में से जो ज्यादा हो उस पर पंजीयन शुल्क लगता है। केवल मध्य प्रदेश में गाइडलाइन कीमत से अधिक सौदा मूल्य दर्शाने पर उसमें पंजीयन शुल्क में छूट दी गई है। इसके कारण वहां लोगों में वास्तविक सौदा मूल्य को रजिस्ट्री पेपर में लिखने की प्रवृत्ति में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

#### अब तक सौदा होता था महंगा

वर्तमान में किसी संपत्ति का सौदा मूल्य सामान्यतः गाइडलाइन मूल्य से बहुत ज्यादा होता है। लेकिन लोग गाइडलाइन मूल्य या इसके आसपास का ही सौदा मूल्य अंकित करते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि अगर वास्तविक सौदा राशि अंकित कर देंगे, तो पंजीयन शुल्क गाइडलाइन मूल्य या वास्तविक सौदा राशि दोनों में से जो ज्यादा हो उस पर लगेगा। अधिक पंजीयन शुल्क से बचने के लिए लोग गाइडलाइन कीमत या इसके आसपास पूर्णांकित करते हुए सौदा मूल्य डाल देते हैं।

#### मध्यमवर्गीय परिवारों को मिला लाभा

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस पहल का सीधा लाभ राज्य के सभी मध्यमवर्गीय परिवारों को मिलेगा क्योंकि अधिकांश मध्यमवर्गीय परिवार संपत्ति खरीदने के लिए बैंक लोन पर निर्भर रहते हैं। बैंक लोन रजिस्ट्री पेपर में दिखाए गए सौदे के रकम के आधार पर मिलता है, लोग पंजीयन शुल्क से बचने के लिए गाइडलाइन कीमत के बराबर सौदा मूल्य दिखाते हैं।कम सौदा कीमत दिखाएं जाने से बैंक लोन भी कम मिलता है।इस नीति से आमजनों को न्यायिक प्रकरणों में भी संपत्ति का वास्तविक मूल्य प्राप्त होगा। यदि कभी संपत्ति में कुछ धोखाधड़ी पायी गई तो व्यक्ति विक्रेता से वही मुआवजा पाने का हकदार होता है, जो रजिस्ट्री पेपर में लिखा हुआ। संपत्ति का सही मूल्य रजिस्ट्री में अंकित होने से प्रभावित व्यक्ति को उसका सही मुआवजा प्राप्त हो पायेगा।

**नए नियम से लोगों को ऐसे होगी बचत**

नए नियम से लोगों को कैसे बचत होगी आइए आपको समझाते हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी संपत्ति का गाइड लाइन मूल्य 10 लाख रुपए है और उसका सौदा 15 लाख में हुआ, तो रजिस्ट्री शुल्क 15 लाख पर 4 प्रतिशत के हिसाब से 60 हजार रुपए देना पड़ता था। अब नए नियम से 10 लाख रुपए की गाइड लाइन मूल्य वाली प्रॉपर्टी का सौदा यदि 15 लाख में होता है, तो भी रजिस्ट्री शुल्क 15 लाख पर नहीं बल्कि गाइडलाइन दर 10 लाख पर 4 प्रतिशत के हिसाब से 40 हजार रुपए देना होगा। इस तरह 20 हजार रुपए की बचत होगी। इस तरह मिडिल क्लास को बड़ी सहुलियत मिलेगी।

## डीआरडीओ की बड़ी सफलता

# लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसॉनिक मिसाइल का सफल परीक्षण

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** भारत को हाइपरसॉनिक मिसाइल के परीक्षण में बड़ी सफलता मिली है। देश में रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान के लिए प्रसिद्ध डीआरडीओ ने लंबी दूर तक मार करने वाली हाइपरसॉनिक मिसाइल के फ्लाइट ट्रायल को सफ्लतापूर्वक अंजाम दिया। बताया गया है कि यह परीक्षण ओडिशा के तटीय इलाके पर स्थित एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप पर किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल का परीक्षण शनिवार को किया गया था। दूसरी तरफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक पोस्ट में कहा कि अब भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने इस बेहद अहम तकनीक को विकसित किया है। राजनाथ ने इस कामयाबी के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योगों को बधाई दी और इसे आश्चर्यजनक सफ्लता करार दिया।

इस हाइपरसॉनिक मिसाइल को हैदराबाद स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्पलेक्स लैबोरेट्री, डीआरडीओ और उद्योग से जुड़े अन्य साझेदारों के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इसे 1500 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तक अलग-अलग पेलोड से हमला करने के लिए बनाया गया है। इसे सभी सशस्त्र बलों के इस्तेमाल के लिहाज से तैयार किया गया है।

बताया गया है कि मिसाइल के परीक्षण के दौरान डीआरडीओ के वैज्ञानिक और सशस्त्र बल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अलग-अलग रेंज सिस्टम से इसे ट्रैक किया गया। इसके बाद मिसाइल की उड़ान को लेकर जो आंकड़े सामने आए, उससे इसके प्रभाव और अचूक निशाने की बात तय हो गई।

#### क्या हैं हाइपरसोनिक मिसाइल?

हाइपरसोनिक मिसाइल आवाज की रफ्तार (1235 किमी प्रतिघंटा) से कम से कम पांच गुना तेजी से उड़ान भर सकती है। यानी इसकी न्यूनतम रफ्तार 6174 किमी प्रतिघंटा होती है। हाइपरसोनिक मिसाइल क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल दोनों के फीचर्स से लेस होती हैं। यह मिसाइल लॉन्च के बाद पृथ्वी की कक्षा से बाहर चली जाती है। इसके बाद यह जमान या हवा में मौजूद टारगेट को अपना निशाना बनाती है। इन्हें रोकना काफी मुश्किल होता है। साथ ही तेज रफ्तार की वजह से रडार भी इन्हें पकड़ नहीं पाते हैं।

#### अभी किन देशों के पास है हाइपरसॉनिक क्षमता?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनिया में इस वक्त हाइपरसॉनिक मिसाइल की क्षमता सिर्फ पांच देशों- अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और भारत के पास है। हालांकि, ईरान की तरफ से भी ऐसी मिसाइलों के परीक्षण की खबरें सामने आती रही हैं। इसके अलावा ब्रिटेन, इस्राइल, ब्राजील और दक्षिण कोरिया में यह तकनीक विकसित की जा रही है।

## मुठभेड़ में 5 नक्सलियों को ढेर करने पर सीएम साय ने दी बधाई, कहा-

# छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद गिन रहा अंतिम सांसें

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** कांकेर के उत्तर अबूझमाड़ में शनिवार को हुई मुठभेड़ में 05 नक्सलवादियों को ढेर करने में मिली सफ्लता पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों को बधाई दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले 11 महीनों के दौरान हमारे जवानों ने नक्सलवाद के उन्मूलन में लगातार बड़ी सफ्लता प्राप्त की है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है।

उन्होंने कहा है कि मुहिम शुरू होने के बाद से अब तक 200 से ज्यादा नक्सलवादियों को ढेर किया जा चुका है। आज हुई मुठभेड़ में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है। हमारे दो जवान घायल हुए हैं, जिनके समुचित उपचार की व्यवस्था के निर्देश मैंने दिए हैं। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं अभियान की मॉनिटरिंग कर रहा हूं। अधिकारियों से पल-पल की जानकारी ले रहा हूं।

एक्स पर भी किया पोस्ट

इसस पहले सीएम साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि नारायणपुर-कांकेर जिले के सीमावर्ती इलाके उत्तर अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 5 नक्सलियों के मारे जाने एवं 2 जवानों के घायल होने की खबर है। सुरक्षाबल के जवानों को मिली यह सफ्लता सराहनीय है। ईश्वर से घायल जवानों के शीघ्रातिशीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। नक्सलियों के खिलाफ हमारी सरकार मजबूती से लड़ाई लड़ रही है, हम नक्सलवाद के खात्मे के प्रति दृढ़ संकल्पित हैं।

# पीएम मोदी को नाइजीरिया का सर्वोच्च सम्मान क्वीन एलिजाबेथ के बाद ऐसे पहले शख्स

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा पर सबसे पहले नाइजीरिया पहुंचे हैं। इसके बाद वह ब्राजील और गुयाना की यात्रा करेंगे। नाइजीरिया में प्रधानमंत्री मोदी को 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ नाइजर' (GCON) अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इससे पहले केवल क्वीन एलिजाबेथ ही ऐसी विदेशी शख्स थीं जिन्हें इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। उन्हें 1969 में यह सम्मान दिया गया था। प्रधानमंत्री मोदी को इस तरह का 17वां सम्मान मिल रहा है। इससे पहले भी 16 देश अपने-अपने सर्वश्रेष्ठ सम्मानों से उन्हें नवाज चुके हैं। पीएम मोदी ने नाइजीरिया पहुंचने के बाद कहा कि राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू के निमंत्रण पर यहां पहुंचे हैं।

विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अबुजा पहुंच गए हैं। मंत्री न्येसोम एजेनवो वाइक ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को अबुजा शहर की 'कुंजी' भेंट की। यह 'कुंजी' प्रधानमंत्री पर नाइजीरिया के लोगों के विश्वास और उनके प्रति सम्मान को प्रदर्शित करती है।

# छत्तीसगढ़ में बढ़ी ठंड, मौसम विभाग का अनुमान आने वाले पांच दिनों में और गिरेगा पारा

#### प्रमुख जिलों का तापमान

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को सर्वाधिक तापमान सुकमा जिले में दर्ज किया गया। सुकमा में 32.9 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश का न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 10. 1 डिग्री सेल्सियस तक रहा। इसके अलावा राजधानी रायपुर में 31.6 डिग्री, दुर्ग भिलाई, 31.8 डिग्री, माना एयरपोर्ट 30 डिग्री, बिलासपुर में 29.8 डिग्री, पेंड्रा रोड में 28.4 डिग्री, अंबिकापुर में 27.5 डिग्री तथा जगदलपुर में 30.2 डिग्री दर्ज किया गया।

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ में अब धीरे धीरे ठंड बढ़ने लगी है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में रात के तापमान में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले पांच दिनों में रात का तापमान और भी कम होगा। पश्चिमी हवाओं की वजह से प्रदेश में ठंड बढ़ रही है और आगे भी इसके बढ़ने की संभावना है। तापमान की बात की जाए तो सर्वाधिक तापमान सुकमा में 32.9 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं प्रदेश का सबसे ठंड इलाका अंबिकापुर रहा है। यहां न्यूनतम तापमान 10. 1 डिग्री सेल्सियस तक रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, एक पश्चिमी विक्षोभ, मध्य विक्षोभ मंडलीय पश्चिमी हवाओं में एक द्रोणिका के रूप में 32 डिग्री उत्तरी अक्षांश के उत्तर में 71 डिग्री पूर्वी देशांतर के साथ औसत समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर ऊपर स्थित है। इसके प्रभाव से प्रदेश में लगातार न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। वहीं छत्तीसगढ़ में आगामी 5 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट होने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से सुबह और रात के साथ ही अब दिन में भी हल्की ठंडी हवाओं का असर देखने को मिला है। राजधानी रायपुर सहित दुर्ग भिलाई व बिलासपुर में मौसम साफ रहने की संभावना है। प्रदेश में ओवरऑल मौसम शुष्क रहेगा।

## संपादकीय

# धुंध-कोहरे का घेरा

राजधानी दिल्ली में कर्तव्य पथ पर कुछ दूर पैदल चलिए, तो इंडिया गेट दिखना बंद हो जा रहा है। उधर, आगरा में कुछ ही दूर से देखने पर ताजमहल नजर नहीं आ रहा है। जब धुंध और कोहरे की मजबूत जुगलबंदी है, तब उत्तर भारत के शहरों में जो लोग घूमने आ रहे हैं, वे अपने साथ प्रदूषण की यादगार तस्वीरें भी ले जा रहे हैं। यह बताना मुश्किल है कि प्रदूषण की वजह से फैली धुंध का कितना असर है और कोहरे का कितना साया है?

> *वैज्ञानिक बताते हैं कि आगरा को सोमवार के बाद कोहरे से मुक्ति मिल सकती है, पर दिल्ली में राहत की आमद के बारे में कुछ भी आश्वस्त भाव से नहीं कहा जा सकता। हालांकि, दिल्ली में उम्मीद है कि वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और इसीलिए यहां की स्थानीय सरकार राष्ट्रीय राजधानी में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) का तीसरा चरण लागू नहीं करेगी। वैसे, कड़े उपाय आजमाने के प्रति हिचक नई नहीं है। यहां एक बड़ा खतरा आर्थिक विकास के प्रभावित होने का है। वास्तव में, प्रदूषण अब एक ऐसा मसला है, जिसे समग्रता में देखते हुए लाभ-हानि का आकलन करना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि आर्थिक विकास को बचाने की कोशिश में सबके स्वास्थ्य से खिलवाड़ हो जाए।*

कोई न कोई दिन ऐसा आएगा, जब हमें कड़े उपायों के जोर पर प्रदूषण का समाधान करना पड़ेगा। क्या अभी प्रदूषण से जुड़ी समस्याएं गंभीर नहीं हुई हैं? केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, गुरुवार दोपहर 1 बजे शहर में एक्यूआई 425 था। वैसे, स्विस मॉनिटरिंग पोर्टल के अनुसार, दिल्ली के कुछ हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 1,300 तक पहुंच गया था। किन इलाकों में ज्यादा प्रदूषण है, इस सवाल से बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे यहां प्रदूषण को सही पैमाने पर मापा नहीं जा रहा है? क्या प्रदूषण की निगरानी करने वाली एजेंसियां, संस्थाएं हमें वास्तविक तस्वीर नहीं दिखा रही हैं? जो हम खुली आंखों से देख पा रहे हैं, क्या वह सच्चाई नहीं है? 300 से ज्यादा उड़ानों और ट्रेनों पर असर पड़ा है। सड़क पर वाहन चलाते समय लोगों को सावधान रहने के लिए कहा गया है। इधर हुई कुछ सड़क दुर्घटनाएं चिंता को बहुत बढ़ा रही हैं। जिन बच्चों, बुजुर्गों का स्वास्थ्य पहले से ही दुर्बल है, उन्हें ज्यादा सतर्क रहना होगा। बहुत जरूरी होने पर ही घर से निकलने की सलाह एक बार फिर प्रासंगिक हो गई है।

धुंध और कोहरे के समय जब खुशनुमा उम्मीदों का मानो अभाव सा हो गया है, जब सरकारें ज्यादा कड़े कदम उठाने से बच रही हैं, तब उम्मीदें सर्वोच्च न्यायालय पर टिकी हैं। सर्वोच्च न्यायालय गुरुवार को दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की इस शिकायत पर सोमवार को सुनवाई के लिए सहमत हो गया है कि प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंचने से पहले एहतियाती कदम क्यों नहीं उठाए गए? न्यायमूर्तियों से आशा गलत नहीं है। दिल्ली के लोगों को पहले मिली राहतों में न्यायालय का योगदान किसी से छिपा नहीं है। न्यायालय को कारगर फैसला सुनाने में हिचकना नहीं चाहिए। सेहत और पर्यावरण सुरक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। फैसलों का असर जमीन पर होना चाहिए। केवल निर्देश और सलाह से बात नहीं बनेगी। आज यह सवाल उठना बिल्कुल स्वाभाविक है कि कुछ कार्रवाई करने से पहले हम दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बने रहने पर क्यों आमादा हैं?

# भारत के आर्थिक प्रबंधकों के सामने एक कठिन चुनौती

वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश-उत्पादन-वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती। अब वित्तीय बाजारों पर भी ग्रहण के संकेत हैं। अक्टूबर में विदेशी पोर्टपोलियो निवेशकों (एफपीआईज) ने भारतीय बाजारों से लगभग 94,000 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह अभूतपूर्व है। इसके पहले किसी एक महीने में एफपीआईज ने इतनी बड़ी निकासी नहीं की थी। कोरोना महामारी ने जब दस्तक दी थी, तब मार्च 2020 में इन निवेशकों ने 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे, जो अब तक का रिकॉर्ड था। ताजा निकासी का नतीजा हुआ कि अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार सूचकांक में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। लाजिमी है कि इस घटनाक्रम ने भारत के वित्तीय प्रबंधकों की चिंता बढ़ाई है। आखिर, वित्तीय बाजारों की चमक ही एकमात्र पहलू है, जिस पर भारत के आर्थिक उदय का सारा कथानक टिका हुआ है। वरना, निवेश-उत्पादन-वितरण की वास्तविक अर्थव्यवस्था किसी कोण से चमकती नजर नहीं आती।

उलटे अब तो केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने भी उपभोग एवं मांग गिरने की हकीकत को मान लिया है। अक्टूबर में वास्तविक अर्थव्यवस्था से जुड़े कारोबारी और यहां तक कि वित्तीय अखबार भी यह कहने को मजबूर हुए कि भारत में मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है। जबकि दुनिया में जो भी देश विकसित हुए है, उनकी आर्थिक समृद्धि मध्य वर्ग के विस्तार पर टिकी रही है। भारत में अब सामने यह है कि एकमात्र चमकते पक्ष पर भी ग्रहण लग रहा है। जानकारों ने इसके दो कारण बताए हैं। पहला यह कि भारतीय शेयर ओवरवैल्यूड हैं- यानी उनकी स्वाभाविक कीमत जितनी होनी चाहिए, उससे ज्यादा कर दी गई है। दूसरा, यह कि चीन प्रोत्साहन पैकेज देकर अपने शेयर बाजारों को संभाल रहा है, जिससे विदेशी निवेशकों को वहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद दिखने लगा है। नतीजतन, वे शेयर बाजार के अलावा ऋण बाजार से भी लगभग साढ़े चार हजार करोड़ रुपए निकाल कर ले गए। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या इस महीने या आने वाले महीनों में ट्रेंड पलटता है। ऐसा नहीं हुआ, तो खासकर 2020 के बाद से शेयर बाजारों में बढ़ती गई चमक को बनाए रखना लगभग असंभव हो जाएगा। छोटे निवेशकों को इस क्रम में जो नुकसान हो रहा है, वह अलग है। कुल मिलाकर भारत के आर्थिक प्रबंधकों के सामने एक कठिन चुनौती आ खड़ी हुई है।

(आरएनएस)

नजरिया

# लाल आतंकी साया मिटाकर ही जनजातीय गौरव लौटा सकेंगे

*देशभर में जनजातीय गौरव दिवस का उल्लासपूर्ण वातावरण बना हुआ है। जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत से लेकर उनकी अनुसरणीय समाज व्यवस्था, आध्यात्मिकता और विशिष्ट ज्ञान परम्परा तक की चर्चा की जा रही है। बौद्धिक जगत मननशील है कि विश्व की समस्याओं के निराकरण के लिए हम जनजातीय बन्दुओं से क्या सीख सकते हैं। लेकिन दूसरी ओर, माओवाद के लाल दानव इन गौरवशाली परम्पराओं को नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं। इसलिए जनजातीय गौरव दिवस हमारे उस दायित्व का स्मरण कराने वाला दिन भी है कि इस कम्युनिस्ट आतंक का रामबाण इलाज ढूँढ़कर भय-आतंक और हिंसा से जनजातीय समाज को मुक्ति दिलाना है।*

**अनिल पुरोहित**

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सलियों (कम्युनिस्ट आतंकवादियों) द्वारा इसी सोमवार की रात बीजापुर जिले के जांगला थाना क्षेत्र में ग्राम पोटेनार में अपनी कथित जनअदालत लगाकर पुलिस मुखबिरी के आरोप में ग्राम माटवाड़ा के ग्रामीण माड़वी दुलारू की हत्या करने के बाद 15 नवम्बर को मनाए जाने वाले जनजाति गौरव दिवस के परिप्रेक्ष्य में जनजातीय समाज पर माओवादियों के प्रभाव पर विमर्श की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। पिछले अक्टूबर माह में भी नक्सली आतंकवादियों ने 8, 19 और 29 अक्टूबर को बस्तर के विभिन्न इलाकों में कन्हैया ताती, तिरुपति भंडारी और दिनेश पुजारी की हत्या करके दहशत फैलाने का काम किया था। और ऐसी ही कहानियाँ पिछले दो दशकों से लगातार हमें देश के जनजातिङ्कबहुल क्षेत्रों से लगातार सुनने में आ रही हैं। विश्व की एक प्रतिष्ठित संस्था साउथ एशिया टेररिस्ट पोर्टल की वेबसाइट पर प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार 2019 से लेकर अब तक निरपराध ग्रामीणों को गोली मारने की ऐसी 49 घटनाएँ हो चुकी हैं, जिनमें कुल 69 लोगों की हत्या की गई है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 31 दिसम्बर 2019 को प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार वर्ष 1999 से 2019 तक 20वर्षों में देशभर में कुल 8,126 निर्दोष नागरिकों की हत्या इन माओवादियों ने की है। इसके अलावा कभी बारुदी सुरंग, तो कभी अन्धाधुन्ध फायरिंग, आदि से हताहत होकर जीवनभर के लिए पंगु हो जाने वाले लोगों की गणना तो अभी बाकी है। ऐसे ही, पिछले ढाई दशकों में अनेक विद्यालय, अस्पताल, पुल-पुलिया आदि इन माओवादियों ने ध्वस्त किये हैं। विकासपरक कार्यों में निरन्तर बाधा डालकर जनजातीय क्षेत्रों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बुनियादी ढाँचे जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित रखा जा रहा है। उन्हें भारत सरकार के खिलाफ बन्दूकें उठाने पर मजबूर किया जा रहा है। अपने सगे-सम्बन्धियों की हत्या के लिए विवश किया जा रहा है। शान्ति, उत्साह और मस्ती से भरा निश्चिन्त जीवन जीने वाले लोग दिन-रात अपनी और अपने परिवार की चिन्ता में लगे रहकर 'दादालोगों' की गुलामी को विवश हैं। छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड, बंगाल, तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों में तो आए दिन माओवादी घटनाओं से जुड़ी ऐसी खबरें पढ़ने में आती रहती हैं। भले ही माओवादियों के शहरी तन्त्र के कारण इन घटनाओं का बाहर उल्लेख न के बराबर रहता है।

अब कुछ सवाल ये खड़े होते हैं कि वे चाहते क्या हैं? जब नक्सली खुद को सरकार की दमनकारी नीतियों का विरोधी बताकर यह दावा करते हैं कि वे सरकारी दमन से जनजातीय समाज के जल-जंगल-जमीन की रक्षा कर रहे हैं, तो फिर वे सीधे-सादे निरपराध जनजातीय समाज के ग्रामीणों की हत्या क्यों कर रहे हैं? हम सब जिन्हें प्रायः नक्सली नाम से जानते हैं, वे खुद के संगठन को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफइंडिया (माओवादी) क्यों कहते हैं? उनके पास आधुनिक हथियार कहाँ से आए? इन लोगों ने अत्याधुनिक खुफिया तंत्र कैसे विकसित कर लिए? चीन के कम्युनिस्ट तानाशाह माओ से भला इनका क्या लेना-देना? इन सवालों का जवाब हम ढूँढ़ें तो पता चलेगा कि दरअसल ये नक्सलवाद, नक्सली, भटके हुए लोग, जैसा कुछ है ही नहीं। यह एक विशुद्ध आतंकवाद है और नक्सली वास्तव में आतंकवादी हैं, जो पूरी दुनिया को कम्युनिस्ट बनाने की सनक के साथ काम कर रहे हैं और पूरी दुनिया में अबतक 10 करोड़ से भी ज्यादा लोगों की जान ले चुके हैं। माओ-प्रेरित ये आतंकवादी जनजातीय समाज की आड़ लेकर आतंक के रास्ते भारत की राजनीतिक सत्ता पर कब्जा जमाने के लिए लाल-युद्ध चला रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में पुलिस और सुरक्षाबलों के द्वारा विभिन्न आपरेशन्स में जब्त अनेक माओवादी दस्तावेज इस बात के प्रमाण हैं कि यह चीन के कम्युनिस्ट तानाशाह माओ त्से तुंग के सशस्त्र कम्युनिस्ट क्रान्ति के विचारों पर आधारित एक सुनियोजित युद्ध है और उसका एकमात्र लक्ष्य संविधान द्वारा स्थापित भारत की सत्ता को उखाड़कर उसकी जगह चीन की ही तरह कम्युनिस्ट तानाशाही को स्थापित करना है।

ऐसे में यह प्रश्न भी उठता है कि उन्होंने वन्य क्षेत्रों को ही क्यों चुना? तो इसका उत्तर है कि कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत जनजातीय क्षेत्रों को ही इसलिए चुना क्योंकि इन माओवादियों ने भारत के विरुद्ध जब सेना बनानी शुरू की तो वह भलीभाँति यह जानते थे कि भारतीय सेना के आगे तो वह टिक नहीं पाएंगे, इसलिए उन्होंने जंगलों को अपना अड्डा बनाया। घने वनों और उनमें रहने वाले जनजातीय समाज में उन्हें इस युद्ध के लिए अपने सैन्य अड्डे स्थापित करने के साधन दिखाई पड़े, इसलिए ही उन्होंने इन दुर्गम स्थानों की शरण ली और फिर, वहाँ रह रहे जनजातीय समाज की-जीवन-पद्धति, उनकी संस्कृति, उनकी आस्था व आध्यात्मिक चेतना को अपनी दखलंदाजी से खत्म करने का कुचक्र चलाया। जाहिर है, ये जंगल माओवादियों के लिए बेहद सुरक्षित अड्डे बने भी और निश्छल, सहज-सरल जनजातीय समाज को उन्होंने आमना-सामना होने पर पुलिस व सेना के सामने अपने लिए एक ढाल के तौर पर इस्तेमाल किया। केवल इतना ही नहीं, उन्होंने और शहरी (अर्बन) नक्सलियों ने मिलकर दसियों झूठ गढ़कर न केवल जनजातीय समाज को दिग्भ्रमित किया, अपितु शेष समाज में भी जनजातीय समाज को लेकर तरह-तरह की भ्रांतियाँ फैलाकर ऐसा अलगाव पैदा किया जो इस्लाम और ब्रिटिशों के दौर में भी नहीं हो सका था। इन नक्सलियों ने झूठ का ऐसा मायाजाल रचा कि सबसे पहले तो जनजातीय समाज के लोगों को उनकी संस्कृति से दूर किया, उनके समक्ष नए-नए आदर्श रखे, उनमें अपनी पहचान को लेकर भ्रम पैदा किया गया। कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने ऐसे कई झूठे विमर्श स्थापित किए हैं। सबसे बड़ा झूठ तो यही है कि माओवादी आदिवासी किसानों और वंचितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। जबकि, सच यह है कि माओवादी ही जनजातीय लोगों का शोषण कर रहे हैं। उनके आतंकी लड़ाके गाँववालों से अपनी रसद वसूलते हैं। उन्हें आतंकियों को छिपाए रखने को विवश किया जाता है, और जो कोई मुखालफत करता है, वे उसकी क्रूरता से हत्या कर देते हैं।



इसी तरह नक्सलियों को महिलाओं के सशक्तीकरण और उन्हें समानता का अधिकार दिलाने के लिए लड़ने वाला बताया जा रहा है, जबकि जनजातीय महिलाओं का सर्वाधिक यौन शोषण माओवादी ही करते हैं। वे अपने संगठन में, अपनी कथित सेना में जिम्मेदारियाँ निभा रही महिलाओं को भी नहीं छोड़ते। अनेक आत्मसमर्पित माओवादियों ने इन अत्याचारों पर से पर्दा उठाया है। आदिवासियों के वनाधिकार के लिए लड़ाई के दावे का सच यह है कि जब केन्द्र सरकार वनाधिकार देने हेतु ड्रोन सर्वे के माध्यम से जमीन की डिजिटल मैपिंग कर रही है, तो ये माओवादी ही उसके विरोध में मिथ्यालाप कर रहे हैं क्योंकि इस मैपिंग से भारत के विरुद्ध जंग में बस्तर को अपना मुख्य अड्डा बनाने के कम्युनिस्ट आतंकवादियों के मंसूबों पर पानी फिर जाएगा। कुल मिलाकर, हमें यह समझ लेना चाहिए कि वे कोई लोगों के लिए लड़ने के लिए नहीं आए हैं, वे अपने भारत-विरोधी मंसूबों को पूरा करने के लिए दण्डकारण्य क्षेत्र में आए हैं। यह सच इन कम्युनिस्ट आतंकवादियों के दस्तावेज़ स्वयं ही उजागर कर देते हैं। सीपीआई (एम) का डॉक्यूमेंट 'स्ट्रैटेजी एण्ड टैक्टिक्स ऑफ इंडियन रिवॉल्यूशन' सबकुछ स्पष्ट कर देता है। यह जनजातीय समाज और किसानों के गुस्से से उपजा कोई स्वस्फूर्त आन्दोलन नहीं है। इन कम्युनिस्ट आतंकवादियों का तो संविधान और किसी तरह की संवैधानिक व्यवस्था में विश्वास ही नहीं है। इसे दुर्भाग्य कहें या फिर कम्युनिस्टों के दुष्प्रचार का प्रभाव कि आज सामान्य जनमानस में इस झूठ ने गहरी पैठ बना रखी है।

### जनजातीय क्षेत्रों में पैदा की जा रही चुनौतियाँ

कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने अब जनजातीय समाज पर अपनी पकड़ के कमजोर होने और सरकार द्वारा माओवाद-विरोधी अभियानों में आई तेजी से बौखलाकर कपट-युद्ध शुरू किया है। फलतः हमारे और हमारे जनजातीय बन्धुओं के समक्ष नई चुनौतियाँ खड़ी हो रही हैं। माओवादी अब यह झूठ भी फैला रहे हैं कि आदिवासी हिन्दू नहीं है। हिन्दू परम्परा का पालन करने पर लोगों को दण्ड दिया जा रहा है। इससे भारतीय समाज में भेद की एक नई रेखा के उपजने की आशंका है। इसके अलावा एक नया झूठ और स्थापित किया जा रहा है कि आदिवासी ही भारत के मूलनिवासी हैं, जो बाहरी लोगों द्वारा पीड़ित हैं। इससे भी समाज के विघटन का संकट हो सकता है। पत्थलगड़ी, पेसा, 5वीं व 6ठी अनुसूची, समान नागरिक संहिता और वनाधिकार कानून पर भ्रम फैलाया जा रहा है। माओवादियों व चर्च का गठजोड़ भी जनजातीय क्षेत्रों में एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। अपने प्रभाव के क्षेत्रों में माओवादी राजनैतिक हत्याएँ तो बढ़ा ही रहे हैं, साथ-साथ इन क्षेत्रों में वे अपना राजनैतिक नियंत्रण भी बढ़ा रहे हैं। इनके इकोसिस्टम द्वारा इन कम्युनिस्ट आतंकियों को राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पीड़ित-क्रान्तिकारी बताने का प्रयास भी लगातार किया जा रहा है।

### जनजातीय समाज पर प्रभाव

चीन की तरह ही आतंकी तानाशाही की स्थापना की बदनीयती के साथ इन आतंकियों ने बस्तर की स्थिति भी ऐसी कर दी है; कि अब वहाँ न व्यक्ति और न ही अभिव्यक्ति का कोई महत्व है। मुँह खोलने की सजा मौत है। निरीह जनजातीय समाज के मन में उनकी ही चुनी सरकार के प्रति भय और आतंक के भाव इस सीमा तक भर दिए गए हैं कि वे लोग आज भी खाकी वर्दी देखकर छिप जाते हैं। महानगरों में एयर-कण्डीशण्ड कमरों में बैठे कुछ अप्रकट आतंकियों (या आम बोल-चाल के अर्बन नक्सलियों) ने लगातार इसे वंचितों का सरकार के प्रति विद्रोह बताने का दुष्चक्र चलाया है। और दुर्भाग्यवश, हमारे अकादमिक संस्थान भी नक्सल आन्दोलन कहकर इसे वंचित भारतीयों की व्यवस्था के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया के रूप में ही पढ़ा रहे हैं। जबकि बस्तर में अभी चल रही माओवादी हिंसा कोई वहाँ के जनजातीय लोगों की चलाई हुई नहीं है, बल्कि उन पर थोपी हुई है। सहअस्तित्व और सामूहिकता के उच्चादर्शों के साथ जीने वाले लोगों के मन में हिंसा और क्रूरता के बीज बोए जा रहे हैं। माओवादियों ने जनजातीय समाज के जीवन को इस सीमा तक प्रभावित किया है कि वे अब आत्मविस्मृत-से होते जा रहे हैं। जनजाति संस्कृति नष्ट की जा रही है, परम्पराएँ भ्रष्ट की जा रही हैं। मनौवैज्ञानिक रूप से उनका मूल स्वभाव बदल कर उनमें पीड़ित होने का भाव और ज़िहादी मानिसकता भरी जा रही है। पहले गाँव के विषय गायता और पुजारी सुलझाते थे, किंतु अब इसके लिए संघम सदस्य बैठता है। आज हमारे जनजाति बन्धु अपने पुरखों की जगह माओ, लेनिन, मार्क्स आदि को अपना आदर्श मानने को विवश हैं। रमणीय पर्यटन योग्य क्षेत्र की पहचान अब लाल आतंक बन गया है। हिंसा और अत्याचार के वातावरण में वहाँ बचपन मर रहा है। कुल मिलाकर कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने जनजातीय समाज के जीवन को अपने उन्माद के नर्क में धकेल रखा है। ये आतंकवादी जनजातीय समाज और भारत के समक्ष नित-नई चुनौतियाँ खड़ी करते जा रहे हैं।

### नक्सलमुक्त भारत और छत्तीसगढ़ के संकल्प पर हो रहा काम

लेकिन, ऐसा भी नहीं है कि केंद्र और छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार हाथ-पर-हाथ धरे बैठी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक विजन के साथ नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प के लिए सख्त फैसले लिए हैं। एक तरफ सुरक्षा बल और पुलिस के जवान माओवाद पर निर्णायक प्रहार कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफप्रदेश सरकार की बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाएँ नक्सल प्रभावित गाँवों में संचालित की जा रही हैं। इनमें नियद नेल्लानार, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन), आदिवासी ग्रामीण आवास योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण की मानक राशि में वृद्धि आदि उल्लेखनीय है। 16 फरवरी 2024 को शुरू की गई नियद नेल्लानार योजना के जरिए सुदूर नक्सल प्रभावित गाँवों में दो दर्जन से अधिक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वामपंथी उग्रवाद को समूल नष्ट करने को लेकर न सिर्फ गंभीर हैं बल्कि इसके लिए मोदी सरकार हर संसाधन मुहैया करा रही है। केंद्र और छत्तीसगढ़ की सरकार नक्सलवाद के खिलाफसमन्वित रणनीति बनाकर काम कर रही है। छत्तीसगढ़ में अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में ही बड़ा एन्टी नक्सल ऑपरेशन हुआ है, जिसमें सुरक्षाबलों ने 35 माओवादियों को ढेर किया है। पिछले नौ महीनों में 194 से अधिक माओवादी मारे गए हैं, 800 से ज्यादा नक्सलियो का गिरफ्तारियां हुई हैं और 738 नक्सालयों ने आत्मसमर्पण किया है। सुरक्षाबलों ने 10 माओवादी ऐसे मारे हैं जिनका छत्तीसगढ़ के क्षेत्र में लम्बे समय से खौफबना हुआ था। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में सबसे बड़ी सफलता है।

### बस्तर शांति समिति की क्रांतिकारी पहल

एक तरफ केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकारों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई छेड़ रखी है, वहीं दूसरी तरफ बस्तर शांति समिति ने क्रांतिकारी पहल करते हुए बस्तर के 50 नक्सल पीड़ित जनजातीय लोगों का जत्था लेकर नई दिल्ली में जाकर वामपंथी आतंकवाद के खिलाफशंखनाद किया। नई दिल्ली जाकर नक्सल पीड़ितों ने मानवाधिकारवादियों से गुहार लगाई कि नक्सलियों के अधिकारों पर शोर मचाने वालों को जनजातियों के शांतिपूर्ण और आतंकमुक्त जीवन के अधिकारों की रक्षा की भी चिंता करनी चाहिए। इस जत्थे ने अपने इस दौरे में राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करके अपनी आपबीती सुनाई। बस्तर शांति समिति के बैनर तले नक्सल पीड़ित आदिवासियों ने जंतर-मंतर पर धरना दिया और वामपंथी उग्रवाद की अब तक उपजाऊ जमीन रहे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में जाकर भी नक्सली आतंक के खिलाफ शंख फूँका। बस्तर शांति समिति की यह पहल देशभर में चर्चा का बनी और मानवाधिकार के नाम पर नक्सलियों की ढाल बनते रहने वाले मानवाधिकारवादियों के पाखंड से देश रू-ब-रू हुआ।

### सुपरिणाम सामने आने लगे

इन तमाम प्रयासों के सुपरिणाम भी सामने आने लगे हैं। अभी हाल ही बस्तर के ही नारायणपुर के नक्सल प्रभावित गारपा ग्राम के वे लगभग 40 परिवार, जो नक्सलियों के भय से नारायणपुर के ही गुडरीपारा में रह रहे थे, वापस अपने गाँव रहने के लिए लौट आए हैं, जिन्हें नक्सलियों ने करीब दो दशक पहले गाँव से बेदखल करते हुए भगा दिया था। यदि यह क्रम चलता रहा तो यकीनन जनजातीय समाज का खोया स्वाभिमान लौटेगा और वह अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ विकास की मुख्यधारा से भी जुड़ेगा। इससे जनजातीय समाज के प्रति व्याप्त विकृत धारणाओं का शमन भी होगा और सम्पूर्ण हिन्दू समाज एकजुट होकर आतंक, भय, विवशता के चंगुल से मुक्त जनजातीय समाज के साथ विकसित भारत व विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार भी करेगा। यही जनजाति गौरव दिवस की सार्थकता होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कोठारी ज्वेलर्स
सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता एवं निर्माता
जवाहर चौक, दुर्ग 491001
0788-2249990
94252-42323 नितिन
98261-29990 पवन
93029- 29990

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

KJ कांतिलाल ज्वेलर्स
सोने, चांदी एवं गोल्ड जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर बाजार, दुर्ग, 0788-2210274, 4038274
40 ,आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, फोन: 4060274
Kantilal_jewel@yahoo.com

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Surana Jewellers
Certified Gems
Mo. 9303452485
Jawahar Chowk, Durg

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

# श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग



ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

- TDS रिफंड
- GST रजिस्ट्रेशन
- इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- MSME रजिस्ट्रेशन
- GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE
- फूड लाइसेंस
- BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर




## खास खबर

### जस्टिस बी.आर. गवई जी एवं के.वी. विश्वनाथन जी का एतिहासिक निर्णयः कुरैशी

**भिलाई।** छत्तीसगढ राज्य के पूर्व मंत्री बदरूदीन कुरैशी ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश गणों ने देश के संविधान की रक्षा करते हुए सत्ता के नशे में चूर रह कर कुछ राजनितिज्ञ लोग देश के संविधान को बलाये ताक में रखकर बुलडोजर एक्सन जैसे कदम उठाकर वाह वाही लूटना चाहते थे लेकिन हमारे देश के न्यायाधीश गणों ने हमारे संविधान की रक्षा करते हुए आरोपी या दोषी व्यक्ति के परिवार केा सामुहिक दंड देने जैस निर्णय का विरोध करते हुए आवास का अधिकार अनुच्छेद 21 का हिस्सा है सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति को उनके घरों से बेदखल करना पड़े तो अधिकारियों को यह साबित करना पडेगा कि ध्वस्तीकरण ही एकमात्र विकल्प नहीं है घर के एक हिस्से को ध्वस्त करने के बजाए अन्य विकल्पों पर विचार करना चाहिए बुलडोजर एक्सन से पहले नोटिस जरूरी 15 दिनों तक कोई कार्यवाही नहीं होनी चाहिए कार्यपालिका यह तय नहीं कर सकती कि कोई दोषी है या नहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा है अगर सम्पत्ति को इस लिए ध्वस्त किया जाता है कि व्यक्ति आरोपी है तो वह पूरी तरह से असंवैधानिक है न्यायाधीश गणों ने यह भी स्पष्ट किया है कि कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी घोषित नहीं कर सकती केवल आरोप के आधार पर कार्यपालिका किसी व्यक्ति का भी घर नहीं तोड़ सकती इस प्रकार देश के सिद्धान्त निर्माताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि देश के संविधान से कोई भी बडी चीज नहीं है हमारा संवैधानिक आर्दश ऐसे किसी भी व्यक्ति के दुरूपयोंग की अनुमति नहीं देते यह कानून के न्यायालय द्वारा सहन नहीं किया जा सकता जस्टिस बी.आर. गवई एवं जस्टिस के.वी विश्वनाथन की बैंच ने बडा स्पष्ट शब्दों में कहा है किसी आरोपी या गुनहेगार के घर को सिर्फ इस आधार पर नहीं गिराया जा सकता।

# रेलवे जीएम नीनू इटियेरा ने किया भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

## जल्द काम पूरा करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर की महाप्रबंधक नीनू इटियेरा ने शनिवार को भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना में यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। बिलासपुर जोन के जितने भी स्टेशन में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत काम चल रही है, उसे चालू वित्त वर्ष के अंतिम तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने जल्द से जल्द रेलवे स्टेशन के रिनोवेशन कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महाप्रबंधक नीनु इटियेरा शनिवारको बिलासपुर से स्पेशल सेलून में विंडो इंस्पेक्शन करते हुए भिलाई पावर हाउस स्टेशन पहुंची। यहां पर उन्होंने संरक्षा संबधी कार्यों तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ रायपुर मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार सहित अन्य आला अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबंधक नीनु इटियेरा ने बिलासपुर से भिलाई पावर हाउस स्टेशन तक रेलवे ट्रैक का स्पेशल सेलून की खिड़की से जायजा लिया।

भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर मीडिया से चर्चा के दौरान महाप्रबंधक नीनू इटियेरा ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना में यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। जो भी काम चल रहें हैं उससे यात्री सुविधाओं में इजाफा होना है। रावघाट रेल लाइन को लेकर उन्होंने कहा कि इस परियोजना का काम ठीक ठाक चल रहा है। इसमें संबंधित एजेंसी को राज्य सरकार से भी अपेक्षित सहयोग मिल रहा है।

पावर हाउस स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के सामान्य तौर पर अवलोकन करने के बाद भिलाई इस्पात संयंत्र के दौरे पर गई। इस दौरान उनके साथ भिलाई इस्पात संयंत्र के सीईओ अनिर्बान दासगुप्ता भी मौजूद रहे। भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा करने के बाद बिलासपुर वापसी से पहले रेलवे महाप्रबंधक नीनू इटियेरा भिलाई सहित कुछ और स्टेशन का भी निरीक्षण कर सकती हैं।

## रेलवे जीएम नीनू इटियेरा ने भिलाई स्टील प्लांट में इस्पात निर्माण की प्रक्रिया देखी

**भिलाई।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) की महाप्रबंधक सुश्री नीनू इत्तयेराह ने भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा कर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेशकों से मुलाकात की। नीनू इत्तयेराह सर्वप्रथम संयंत्र के मेन गेट के निकट स्थित सुरक्षा उत्कृष्टता केन्द्र पहुंची, जहां उन्हें संयंत्र भ्रमण के दौरान आवष्यक सुरक्षा निर्देषों से अवगत कराया गया।

इस दौरान रेलवे जीएम ने प्लांट में इस्पात निर्माण का अवलोकन किया। भिलाई इस्पात संयंत्र भ्रमण के दौरान महाप्रबंधक (एसईसीआर) नीनू इत्तयेराह ने संयंत्र की मॉडेक्स यूनिट ब्लास्ट फर्नेस-8 में हॉट मेटल उत्पादन और यूनिवर्सल रेल मिल में विश्व की सबसे लंबी 130 मीटर रेल की रोलिंग प्रक्रिया से अवगत हुई। तत्पष्चात इस्पात भवन में संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेशक प्रभारी (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पी के सरकार के साथ बैठक में शामिल हुई।

संयंत्र भ्रमण के दौरान महाप्रबंधक (एसईसीआर) के साथ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी पी के सरकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

# प्रधानमंत्री आवास योजना फेस-2 शिविर में पहुंचकर हितग्राहियों ने ली योजना की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** पीएम आवास योजना शहरी 2.0 रैपिड असेसमेंट सर्वे के कार्य का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। इसके लिए दुर्ग निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज चंद्रशेखर स्कूल में पांच वार्डो के लिए एक साथ शिविर का आयोजन किया गया।जहां पर वार्ड 1,2,34,35 के अलावा 56 के कइ हितग्राहियों ने योजना का लाभ लेने के लिए फार्म लेने पहुँचे। इसके अलावा अपने घरों से निकलकर कई हितग्राहियों ने शिविर में पहुँचकर पीएम आवास योजना शहरी 2.0 की लाभ की जानकारी प्राप्त की। शिविर में 31 आवेदनकर्ता आए थे जिसमें से 3 आवेदकों के द्वारा जमीन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए है वो भी अधूरा । आवेदनकर्ता को विस्तृत जानकारी बताई गई है।

नगर निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने कहा कि सर्वे करवा कर समय अवधि में आवेदन करने वाले हितग्राहियों को मकान की सुविधा प्रदान की जाएगी। जो भी मकान बनेगा वह गुणवत्तापूर्ण होगा. समय पर शिविर में प्रधानमंत्री आवास के लिए फार्म

की जानकारी ली।बता दे कि.. जिसके लिए आवश्यक दस्तावेज प्रधानमंत्री आवास प्राप्त करने वाले हितग्राही को प्रस्तुत करना होगा। यहाँ प्रमुख दस्तावेज़ों की सूची दी गई है, जिन्हें आवेदन के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा:1. निवास प्रमाणपत्र: आवेदक 31.08.2024 के पूर्व से नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में निवासरत हो,2. आवासीय योजना लाभ प्रमाण पत्र: शपथ पत्र जिसमें यह कहा गया हो कि आवेदक ने 20 वर्ष से किसी भी आवासीय योजना का लाभ नहीं लिया है,3. वार्षिक आय प्रमाणपत्र: परिवार की वार्षिक आय 3.00 लाख से कम हो, इसके लिए आय प्रमाण पत्र अनिवार्य है,4. आधार कार्ड: आधार कार्ड में आवेदक और उसके पूरे परिवार (माता-पिता सहित) का नाम होना अनिवार्य है,5.भूमि संबंधी दस्तावेज़: भूमि से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है,6.बैंक पासबुक: आवेदक का बैंक पासबुक, जो आधार से लिंक हो, जमा करना होगा,7.पासपोर्ट साइज फोटो: आवेदक का एक पासपोर्ट साइज फोटो देना होगा,8.जाति प्रमाण पत्र: अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, या अन्य पिछड़ा वर्ग का जाति प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है,9.बीपीएल राशन कार्ड: यदि बीपीएल राशन कार्ड हो, प्रस्तुत करना होगा,10.दिव्यांगता प्रमाण पत्र: यदि आवेदक दिव्यांग है, तो दिव्यांगता प्रमाण पत्र अनिवार्य है। दस्तावेजों के बिना आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

# धान खरीदी को कलेक्टर ने अधिकारियों की ली बैठक, दिए निर्देश, डीओ कटने के 7 दिन के भीतर करें धान का उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने शनिवार को पीडब्ल्यूडी कार्यालय दुर्ग के सभागार में धान खरीदी से संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में धान खरीदी के गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धान उपार्जन केंन्द्रों में आवश्यकता के अनुरूप व्यवस्था, किसानों एवं धान हेतु समुचित सुविधा, किसानों को भुगतान और गुणवत्तायुक्त धान खरीदी के संबंध आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर चौधरी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कृषि विभाग से सही किसान के खाते में पैसा पहुंचे। धान उठाव नियमित एवं समय सीमा के भीतर हो। डीओ कटने के उपरांत 7 दिन के भी धान उठाव सुनिश्चित किया जाए। धान उठाव के 48 घंटे के भीतर किसानों के खाते में पैसा पहुंचे इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।

नगद भुगतान की स्थिति में प्रबंधक पर्याप्त मात्रा में राशि की व्यवस्था रखे। उन्होंने कहा फर्जी किसान का एक दाना भी समिति में नहीं लिया जाए। शासन की मंशानुरूप प्रशासन की जिम्मेदारी है कि सही किसान को ही योजना का लाभ मिले। इसके लिए एसडीएम एवं नोडल अधिकारी धान खरीदी की सख्ती से निगरानी रखें। समितियों में

धान उठाव में किसी प्रकार की समस्या आने पर एसडीएम से समन्वय बनाकर निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। बैठक में एडीएम अरविंद एक्का, सहायक कलेक्टर एम भार्गव, अनुविभागीय अधिकारी भिलाई महेश राजपूत, धमधा सोनल डेविड सहित विभाग के अधिकारीगण एवं प्रबंधन समिति के सदस्य, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के अधिकारी ह्रदेश शर्मा मौजूद थे।

बैठक के दौरान खाद्य अधिकारी टीएस अत्रि ने अवगत कराया कि वर्ष 2024-25 हेतु जिले में धान खरीदी के लिए सहकारी समिति 87, उपार्जन केन्द्र 102 है। धान की खरीदी के लिए अनुमानित लक्ष्य 6 लाख 48 हजार 485 मेट्रिक टन है। जिले में कुल पंजीकृत किसान 114655 और 1,21,114.10 पंजीकृत रकबा है। आज की स्थिति तक खरीदी गई 1485 किसानों से धान खरीदी 6,369.16 मेट्रिक टन है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने कहा धान खरीदी केन्द्र में आवश्यक व्यवस्थाओं की आपूर्ति का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि किसानों को असुविधा न हो।

केन्द्र में बोरा-सुतली, धान तौलने की इलेक्ट्रॉनिक मशीन व मीटर सही स्थिति में हो। किसान से धान खरीदी का कार्य व्यवस्थित रूप से हो, किसानों को सुविधापूर्वक धान बेचने की व्यवस्था रखे। टोकन वाले किसानों को एक दिन पूर्व शाम के समय या खरीदी वाले दिन धान लाने दे जिससे जगह की समस्या न हो। इस दौरान किसानों के बैठने एवं पेय जल इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा मैदान में धान रखने की स्थिति में पानी निकासी की सुगम व्यवस्था की जाए।

### गुणवत्ता परीक्षण के उपरांत धान खरीदी की जाए सुनिश्चित

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने कहा धान लाने पर आवश्यक रूप से ढेरी लगवाकर गुणवत्ता परीक्षण उपरांत धान खरीदे जाए। औसत उपज से अधिक धान लाने वाले कृषकों का टोकन जारी होने के पश्चात् परीक्षण कर लें। मोटा-पतला, नये-पुराने धान की पहचान कर व्यवस्थित किया जाए। टोकन एक सप्ताह पूर्व कटेगा, इस बीच परीक्षण किया जाए। धान उपार्जन के दिन ही सिलाई व स्टेकिंग की व्यवस्था कर दी जाए, इसके लिए पर्याप्त हमाल रखें। उपार्जन केन्द्र के कोचिया/बिचौलियां की सूची, टोल फ्री नंबर इत्यादि का प्रदर्शन हो। शनिवार को स्टॉक का सत्यापन करें, स्टॉक के साथ साथ खाली बारदाने का मिलान भी करें। उपार्जन प्रभारी धान को व्यस्थित स्टेकिंग में मात्रा व प्रकार लिखकर रखें। बारदाने की आवश्यकता का अनुमान लगाकर कम से कम दो दिन पूर्व सूचित करें। मिलर द्वारा मिल से ऑनलाईन चिन्हांकिन वाहन में ही धान लोड कराएं। गुणवत्ता के संबंध में विवाद होने पर तहसील स्तरीय समिति द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा। यथासंभव समिति स्तर पर निराकरण का प्रयास करें।

# महेंद्र टेकाम बने छत्तीसगढ़ बॉडी बिल्डर संघ के अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के नए पदाधिकारी का चुनाव आज चुनाव अधिकारी अधिवक्ता राकेश दुबे की देखरेख में संपन्न हुआ सभी पदाधिकारी का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ ,इस अवसर पर एसोसिएशन के नए अध्यक्ष के रूप में महेंद्र कुमार टेकाम को चुना गया है वहीं महासचिव का दायित्व बी. राजशेखर राव को सौंपा गया है कोषाध्यक्ष के पद पर तुलसी प्रसाद सोनी चुने गए हैं

शहर के एक प्रमुख होटल में एसोसिएशन के पदाधिकारी का चुनाव अधिवक्ता राकेश दुबे चुनाव अधिकारी के उपस्थिति में संपन्न हुआ एसोसिएशन के 24 जिले के अध्यक्ष व सचिव ने चुनाव प्रक्रिया में पदाधिकारी चुन्नी के लिए अपनी भागीदारी निभाई

चुनाव के पूर्व एसोसिएशन के निर्वतमान महासचिव अरविंद सिंह ने अब तक की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कार्य के दौरान मिले सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सबके सहयोग से एसोसिएशन खिलाड़ियों के हित में लगातार बेहतर से बेहतर कार्य कर रही है मैंने अपने कार्यकाल के

दौरान खिलाड़ियों और खेल के लिए जितना बेहतर से बेहतर हो सकता है अपनी क्षमता से बाहर जाकर कार्य किया है और उसका श्रेय केवल मेरे को नहीं सभी पदाधिकारी एवं खिलाड़ियों को जाता है जिन्होंने मेरे साथ कंधा से कंधा मिलाकर विपरीत परिस्थितियों में भी छत्तीसगढ़ प्रदेश बॉडी बिल्डर एसोसिएशन के लिए एकजुट रहते हुए बेहतर खेल भावना का परिचय देते हुए सहयोग प्रदान किया है जिसके लिए मैं सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं

एसोसिएशन के नए पदाधिकारी का चुनाव खुशनुमा माहौल में संपन्न हुआ चुनाव अधिकारी अधिवक्ता राकेश दुबे ने प्रत्येक पद के लिए चुनाव प्रक्रिया को बेहतरीन ढंग से संपादित करवाया

एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों में अध्यक्ष महेंद्र कुमार टेकाम,(बेमेतरा), वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविन्द सिंह (भिलाई), उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ठाकुर (कबीरधाम), महासचिव बी.राजशेखर राव (दुर्ग), सचिव पी आर सुभाष कुमार बिलासपुर कोषाध्यक्ष तुलसी प्रसाद सोनी दुर्ग , कार्यकारिणी के पंच पद के लिए मानिक चंद ताम्रकार रायपुर, रमेश कुमार हिरवानी धमतरी, सुमित विश्वास कोरबा, मोहम्मद सलीम बक्शी जांजगीर चांपा, एवं नाहिद अख्तर राजनंदगांव एसोसिएशन नए पदाधिकारी निर्विरोध चल दिए गए इस अवसर पर वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए छत्तीसगढ़ के अशोक बड़ा ने गोलमेटल हासिल किया है उन्हें भी एसोसिएशन की ओर से सम्मानित किया गया चुनावी प्रक्रिया संपन्न होने के उपरांत एसोसिएशन संगठन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में सभी जिले से आए एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सचिव का शाल श्रीफल और पुष्प कुछ सम्मानित किया कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी को बैच लगाकर स्वागत किया गया कार्यक्रम के उपरांत 25 जिले से आए अध्यक्ष सचिव ने दोपहर का भोजन ग्रहण किया एसोसिएशन ने कार्यक्रम के समापन के अवसर पर चुनाव अधिकारी राकेश दुबे का शाल श्रीफल पुष्पगुच्छ के साथ सम्मान किया।


Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर...

### प्रान्तीय अखण्ड ब्राह्मण समाज ने की महाआरती और दीपदान

**रायपुर।** कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर महादेव घाट में श्रीमती भारती किरण शर्मा प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति एवं प्रदेश संयोजक पंडित मेघराज तिवारी के निर्देशन में दीप-दान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पं. मेघराज तिवारी, पंडित हेमलाल शर्मा के द्वारा विधि विधान द्वारा पूजन कर महाआरती की गई जिसमें ईश्वर प्रसाद शर्मा, प्रीति शुक्ला, पूर्णिमा तिवारी, सरिता तरुण शर्मा, नेहा शर्मा, शजिन्ता शुक्ला, किरण लता पाठक, पूर्णिमा दुबे, यश महराज व संगठन के समर्पित सदस्यों, पदाधिकारियों द्वारा 101 दीप जलाकर पूजा आरती कर नदी में दीप प्रज्जलन कर प्रवाहित किया गया व मंगलकामनाएं की गयी, साथ ही सर्व समाज के समृद्ध, दीर्घायु,व यशस्वी होने की की कामना की गयी। उक्त जानकारी छत्तीसगढ़ प्रांतीय अखण्ड ब्राह्मण समाज के मीडिया प्रभारी देवांश तिवारी ने दी।

### राज्यपाल डेका ने हमारा समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यों को सराहा

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका ने राजधानी दिल्ली में गरीब महिलाओं एवं बच्चों के लिए कार्य कर रही संस्था हमारा समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारिका स्थित संस्था का भ्रमण किया। उन्होंने संस्था के कार्यों की जानकारी ली। यह संस्था छोटे-मोटे रोजगार कर अपना जीवन यापन करने वाले गरीब परिवारों के महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल एवं उनके व्यक्तित्व विकास, और उनको आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रही है। श्री डेका ने ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की साथ ही छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में भी स्वास्थ्य कैंप लगाने का अनुरोध किया।

श्री डेका के अनुरोध पर छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में उक्त संस्था द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन आगामी माह में किया जाएगा। राज्यपाल ने उपस्थित बच्चों से बातचीत की और उनके साथ फोटो भी खींचवाई। इस अवसर पर हितग्राही महिलाएं, बच्चे और संस्था के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

# मानिकपुरी समाज ने प्रेस क्लब में किया मेधावी बच्चों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** शासकीय अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ मानिकपुरी समाज रायपुर संभाग के संभागीय समन्वयक नरोत्तमदास महंत एवं संभाग प्रभारी लोकनाथ केवड़ा के नेतृत्व में संभाग स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 10 नवम्बर को मोतीबाग, प्रेस क्लब रायपुर में किया गया। जिसमे रायपुर संभाग के कक्षा 10, 12 वी में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिह्न से आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ. डी. डी. महंत (सेवा निवृत्त राजस्व अधिकारी), विशिष्ट अतिथि सत्यप्रकाश मानिकपुरी (से. नि. ग्रामीण बैंक अधिकारी), डॉ. फूलदास जी महंत महाविद्यालय प्राचार्य सकरी, मोतीदास मानिकपुरी (से. नि. सह. बैंक अधिकारी), तुलादास मानिकपुरी प्रदेश समन्वयक, प्रीतमदास मानिकपुरी प्रदेश संयोजक, अनिता मानिकपुरी सब इंजीनियर के कर कमलों से सम्मानित किया गया।

उपस्थित पालकों,अतिथियों के बीच सभी मंच आसीन अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी देश,समाज के विकास का आधार शिक्षा है। जापान, अमेरिका, रूस चीन इसका उदाहरण है। वर्तमान में नए टेक्नोलॉजी, मशीन के आविष्कार से शिक्षा प्राप्ति को आसान बना दिया है। इस अवसर का लाभ लें लेकिन यह तभी संभव है जब पूरी लगन के साथ कड़ी मेहनत किया जाए। प्रेरक उद्बोधन में नेपोलियन बोनापार्ट, अब्राहम लिंकन, ए. पी.जे. अब्दुलकलाम के जीवनवृत्त को लघु कथा अंश में उद्धृतकर लक्ष्य हासिल करने में उच्च पद पर आसीन होने की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुवे आगे बढ़ने को कहा। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में मोतीदास (से. नि सह. बैंक अधिकारी)ने कोचिंग चलाने जगह मुहैया कराने की बात कही तो टैंकेश महंत ने गुरुकुल कोरबा के शिक्षा सेवा के बारे में विस्तार से जानकारी दिए।

सम्मान क्रम में कॉलेज के उच्च अंक प्राप्तधारी,एल. एल. बी., सी.ए. पात्रताधारी तथा हाल ही में सब इंस्पेक्टर नियुक्त कल्पना महंत,मनीषा ग्वाल,रजनी (BSF) को भी सम्मानित किया तथा बस्तर संभाग की ओर से MBBS की पढ़ाई कर रहे राजदीपक (महासमुंद) को 5000/ रुपए राशि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय नागरिक,पदाधिकारी कर्मचारी अधिकारी के रूप में श्रवणदास मानिकपुरी, भागवत मानिकपुरी, अजयदास, गिरजाशंकर मानिकपुरी, लक्ष्मणदास मानिकपुरी, प्रोफेसर ज्योति महंत, अश्वनी पड़वार, श्रीमती लता मानिकपुरी, लक्ष्मी मानिकपुरी, संजय महंत, प्रेमदास मानिकपुरी, कपिलदास, तामेश्वर दास, बोधिदास मानिकपुरी, एम. डी.बघेल, भगवानदास, मनोज मानिकपुरी, ममता, अनुपमा मानिकपुरी, करुणादास मानिकपुरी, मोतीदास मानिकपुरी, राजेश मानिकपुरी, संतोषदास मानिकपुरी, गुरुदास मानिकपुरी, सुखरामदास मानिकपुरी, बी.डी. मानिकपुरी, हरिओम, नेहा कोरबा, ऋतु कोरबा, नरेंद्र, शत्रुघन दास मानिकपुरी सहित सभी उपस्थितजन का अतुलनीय सहयोग रहा।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुरेंद्र मानिकपुरी (प्राचार्य)ने किया व आभार प्रदर्शन लोकनाथ केवड़ा ने किया।

# रायपुर निगम में एफएमएस सॉफ्टवेयर तैयार कर भुगतान प्रणाली को किया ऑनलाईन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के मार्गदर्शन में जनहित की दृष्टि से नगर पालिक निगम की प्रशासनिक कार्यप्रणाली चुस्त दुरूस्त बनाने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन की अभिनव पहल पर रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा एवं अपर आयुक्त यू.एस. अग्रवाल के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर की सम्पूर्ण कार्य भुगतान नस्तियों के मूव्हमेंट आदि की ऑनलाईन मॉनिटरिंग हेतु नया सॉफ्टवेयर एफएमएस पर आधारित तैयार करके उसे आनलाईन कर दिया गया है। फाइनेंस मेनेजमेंट सिस्टम से संबंधित सम्पूर्ण कार्य भुगतान की जानकारियां अब नगर निगम रायपुर में एक क्लीक पर स्क्रीन पर तत्काल उपलब्ध हो जायेंगी ।

जानकारी के अनुसार नगर पालिक निगम रायपुर का 1 हजार करोड के बजट का कार्य इसके पूर्व मैनुअली हो रहा था। इसके चलते केन्द्र सरकार , छत्तीसगढ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग , रायपुर जिला प्रशासन सहित नगर निगम को संपत्तिकर एवं अन्य निगम करों से अर्जित आय का लेखा जोखा सहित रायपुर नगर निगम क्षेत्र के 70 वार्डो में किये जा रहे अधोसंरचना मद, सामान्य मद, विभिन्न निधियों से जनहित में जनसुविधा विस्तार हेतु विकास कार्यो में स्वीकृत राशि सहित अब तक हुए कार्यो एवं उसके व्यय और शेष बची राशि की जानकारी लेने मैनुअल आधार पर कार्य किये जा रहे थे। इसमें कार्य में अतिरिक्त समय लगने पर योजनाओं को समय सीमा में शत प्रतिशत पूर्ण करने में व्यवहारिक समस्याएं आ रही थी ।

इस पर जनहित की दृष्टि से विचार कर अभिनव पहल की गई एवं फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम एफएमएस के सम्पूर्ण कार्य एवं नस्तियों के मूव्हमेंट सहित भुगतान की जानकारी तत्काल सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक क्लीक पर स्क्रीन पर प्राप्त करने कार्य किया गया। एफएमएस सिस्टम को नगर निगम रायपुर में आनलाईन कर दिया गया है। इससे प्रशासनिक दृष्टि से व्यवस्था चुस्त दुरूस्त होने सहित सभी कार्यो में काफी तेजी एवं पारदर्षिता आएगी जिसका प्रत्यक्ष लाभ नगर निगम में प्रतिदिन कार्यो हेतु आने वाले आमजनों को सहजता से केन्द्र सरकार एवं राज्य शासन की लोककल्याणकारी मंषा अनुरूप राजधानी शहर में उपलब्ध हो सकेगा।

## छत्तीसगढ़िया अचार, पापड़, बिजौरी की महक व स्वाद को देश भर में फैलाने की पहल

**बिलासपुर।** छत्तीसगढिया व्यंजनों की महक और स्वाद अब देश भर में फैलाने की महती कोशिश करने जा रहे हैं अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के फूड प्रोसेसिंग एवं टेक्नोलाजी विभाग के छात्र छात्राएं। वैसे तो देश भर में रह रहे छत्तीसगढिया अपने साथ ले जाते हैं और जानकारी होने पर लोग मंगवाते भी हैं। लेकिन आजकर मार्केटिंग का जमाना आ गया है और यदि किसी प्रोडक्ट को उसी अंदाज में पेश करें तो लोगों के बीच डिमांड भी बढ़ जाती है इसलिए छात्रगण विशेष पैकेजिंग के साथ अचार,पापड़,बिजौरी,बड़ी जैसे स्वादिष्ट व्यंजन न केवल तैयार कर रहे हैं बल्कि इसे अलग अलग प्रांतों तक पहुंचाने का प्रयास भी कर रहे हैं। इन छात्र छात्राओं का मुख्य लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ी अचार, बड़ी और बिजौरी को इस तरह से प्रस्तुत किया जाए कि देश के हर कोने में इसकी खुशबू पहुंचे। इसके लिए छात्र-छात्राएं और प्राध्यापक विशेष पैकेजिंग तकनीकों पर काम कर रहे हैं। ताकि गुणवत्ता के साथ-साथ स्थानीय पहचान भी बनाए रखी जा सके।पारंपरिक स्वाद का खास महत्व है, खासकर सर्दियों के मौसम में इनका निर्माण और खपत ज्यादा होती है। यही वजह है कि इस सीजन में इन्हें तैयार कर नए साल के अवसर पर बाजार में उतारने की योजना बनाई जा रही है। इन उत्पादों को तैयार करने में स्थानीय सामग्री और पारंपरिक विधियों का उपयोग किया जाएगा। जिससे इनके स्वाद और गुणवत्ता में छत्तीसगढ़ी मूल तत्व बरकरार रहेगा। इस संबंध में फूड प्रोसेसिंग विभाग के प्राध्यापक प्रो. सौमित्र तिवारी का कहना है कि इस प्रयास से छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण का भी लाभ मिलेगा। वे विभिन्न व्यंजनों की पैकेजिंग और मार्केटिंग के पहलुओं को समझने का मौका पाएंगे। इससे न केवल उनकी व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि होगी, बल्कि उनके रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इस पहल के तहत छात्रों को विशेष पैकेजिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि उत्पाद की गुणवत्ता को संरक्षित किया जा सके और ग्राहकों के बीच इसे आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जा सके।

# प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिलयारी को मिला एनक्यूएस सर्टिफिकेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार को लेकर लगातार बेहतर प्रयासों का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को राजधानी रायपुर के सिलियारी स्वास्थ्य केंद्र को राष्ट्रीय स्तर के मानक का उच्चतम अंक प्राप्त हुआ है। जिले को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और उपलब्धि प्राप्त हुई है जो स्वास्थ्य की दिशा में सुधार को दर्शाता है। सभी स्वास्थ्य केन्द्रो को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

इसी कड़ी में रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश चौधरी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक मनीष मेजर वार के मार्गदर्शन में, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिलयारी में, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक टीम ने दिनांक 25 और 26 अक्टूबर 2024 को भ्रमण जांच किया था. टीम में डॉक्टर भानु कुमार धरावत ,डॉक्टर प्रबल कुमार पवार ने 88.15 प्रतिशत राष्ट्रीय स्तर मानक सिलयारी पीएचसी को सर्टिफिकेट प्रदान किया।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विकास तिवारी ,बीपीएम जुबेदा खान पीएचसी सिलियारी के प्रभारी डॉक्टर सोनम नायक ने सभी स्टाफ को बधाई दी एवं सीएमएचओ सर डीपीएम सर वह जिले के एनक्यूएस टीम को मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। क्या है एनक्यूएस: राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास के लिए विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है इसकी शुरुआत 2017 में हुई है।एनक्यूएस वर्तमान में जिला अस्पतालों, सामुदायिक ग्रामीण और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए उपलब्ध है। मानक मुख्य रूप से प्रदाताओं के लिए पूर्व निर्धारित मानकों के माध्यम से सुधार के लिए अपनी स्वयं की गुणवत्ता का आकलन करने और प्रमाणन के लिए अपनी सुविधाओं को लाने के लिए है।

# बारनवापारा बना प्रवासी बाघ का ठिकाना बाघिन लाने की तैयारी में वन विभाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** महासमुंद के रास्ते बारनवापारा पहुंचे प्रवासी बाघ ने अभयारण्य के जंगलों को अपनी स्थायी टेरिटरी बना लिया है। 300 किलोमीटर के क्षेत्र में बाघ का नियमित विचरण हो रहा है। बाघ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महासमुंद और बलौदाबाजार वनमंडल के अधिकारी, कर्मचारी और एनजीओ की टीम लगातार निगरानी कर रही है। इसके तहत एंटी स्नेयर ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है। कोरिया जिले में जहर देकर एक बाघ को मारने की घटना के बाद अधिकारी किसी भी खतरे को टालने के लिए सतर्क हैं।

महासमुंद के रास्ते सात मार्च को यह बाघ बारनवापारा अभयारण्य पहुंचा। वन विभाग की योजना है कि बाघ की स्थायी टेरिटरी बन जाने के बाद इस क्षेत्र में एक मादा बाघ (टाइग्रेस) को लाया जाए ताकि बाघों की संख्या बढ़ाई जा सके। एनटीसीए (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) के साथ हुई चर्चा के बाद अधिकारी मादा बाघ की तलाश में महाराष्ट्र भी गए थे, लेकिन अभी तक ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

### बाघ की सुरक्षा के लिए दिन-रात मॉनिटरिंग

बारनवापारा में बाघ पूरी तरह सुरक्षित है, क्योंकि यहां कोई दूसरा बाघ मौजूद नहीं है। इंसानों से संभावित खतरे के मद्देनजर महासमुंद डीएफओ पंकज राजपूत, एसडीओ मोहम्मद वाहिद खान और बलौदाबाजार डीएफओ मयंक अग्रवाल की निगरानी में टीम लगातार बाघ की स्थिति पर नजर रख रही है। एनजीओ की एंटी स्नेयर टीम दिन और रात में गश्त कर रही है।

बारनवापारा अभयारण्य में चीतल और जंगली सुअरों की प्रचुरता है, जो बाघ के लिए भोजन का मुख्य स्रोत बने हुए हैं। शिकार के अवशेष जंगल में पाए गए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि बाघ ने इन्हीं जानवरों का शिकार किया है।

जानकारों का मानना है कि बारनवापारा का माहौल बाघों के लिए अनुकूल है। मादा बाघ को यहां लाने से न केवल बाघों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि यह क्षेत्र बाघ संरक्षण के लिए आदर्श बन सकता है। बाघों की संख्या बढ़ने से महासमुंद, सारंगढ़-बिलाईगढ़, और गोमर्डा वनमंडल को भी इसका लाभ मिलेगा, क्योंकि नए बाघ टेरिटरी की तलाश में इन क्षेत्रों तक जा सकते हैं। वन विभाग जल्द से जल्द टाइग्रेस लाने के लिए ठोस कदम उठाने की तैयारी कर रहा है, ताकि इस क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ाई जा सके और जैव विविधता को समृद्ध किया जा सके।

# बिकिनी पहन अनन्या पांडे ने दिखाया अपना अब तक का सबसे सिजलिंग रूप

अनन्या पांडे अपने स्टाइलिश लुक्स को लेकर आए दिन सोशल मीडिया पर छा जाती हैं, तो अब 26 साल की हसीना का बिकिनी में कातिलाना लुक देखने को मिला। दुबई में छुट्टियों का मजा ले रही एक्ट्रेस ने अपनी एक से बढ़कर एक सिजलिंग तस्वीरों को शेयर किया है।

अनन्या पांडे इन दिनों अपने फैशनेबल अंदाज को लेकर टॉक ऑफ द टाउन बनी हुई हैं। हसीना जिस भी इवेंट का हिस्सा बन रही हैं, वहां उनका स्टाइलिश अंदाज देखने को मिल रहा है। कभी वह लड़कों की तरह कोट-पैंट पहन अपना जलवा बिखेर गईं, तो साड़ी और सूट में भी उनकी अदाएं देखते ही बनी। वहीं, इस सबके बीच अब हसीना ने दुबई से अपनी वेकेशन की फोटोज शेयर की हैं। जिसमें बिकिनी में वह अपना कातिलाना रूप दिखा कहर ढा गईं।

अनन्या ने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग लुक में अपनी कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। जहां कभी वह बीच पर बिकिनी में मस्ती करती दिखीं, तो कभी होटल के कैमरे में बुक पढ़ते हुए। जिसमें उनकी सिजलिंग अदाओं से नजरें हटाना मुश्किल सा हो गया। यही नहीं हसीना ने ड्रेस में भी अपना जलवा बिखेरा।

अनन्या के पहले लुक की बात करें तो वह Calzedonia ब्रांड का ट्रायंगल बिकिनी टॉप पहने बीच पर नजर आ रही हैं। इस ग्रीन और वाइट प्रिंटेड बिकिनी की रिमूवेबल पैडिंग है। जिसे उन्होंने मैचिंग टाई बॉटम के साथ पेयर किया। जिसमें बालों को बन में बांध और सिर पर चश्मा लगाए वह नो मेकअप लुक में नजर आ रही हैं। जिसमें अपनी प्यारी-सी मुस्कान के साथ वह किलर अदाएं भी दिखा गईं।

### स्वीमिंग पूल में दिखाया किलर अवतार

हसीना का ये लुक भी काफी शानदार है। जहां वह सी ग्रीन कलर की बिकिनी पहने स्वीमिंग पूल में अपनी अदाएं दिखा रही हैं। वहीं, बन बनाकर काला चश्मा लगाए भी उनका अंदाज शानदार लगा। यही नहीं सनबाथ लेते हुए हसीना बुक पढ़ती नजर आ रही हैं। जहां भी उनका अवतार देखने लायक है।

इसके बाद आउटिंग पर बाहर निकली अनन्या ने यहां ग्रे कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी है। जिसमें उनके बॉडी कर्व्स ब्यूटीफुली फ्लॉन्ट हो रहे हैं। वहीं, मिडिल पार्टीशन के साथ खुले बालों में नो मेकअप लुक कमाल का लगा और हसीना ने ब्लैक सैंडल के साथ अपने आउटफिट को कंप्लीट किया। जिसमें भी उनकी मुस्कान ध्यान खींच ले गई।

### ऑल ब्लैक लुक भी है काफी स्टाइलिश

अनन्या का ये ऑल ब्लैक लुक बेसिक होने के साथ ही काफी स्टाइलिश है। जिसमें टॉप की स्क्वायर नेकलाइन है और फुल स्लीव्स है, तो इसे उन्होंने ब्लैक पैंट्स के साथ पेयर किया। जहां वह हाथ में बैग लेकर अपने बालों को लहराते हुए जा रही हैं। ऐसे में हसीना की दुबई की सारी ही फोटोज में उनका एक से बढ़कर एक किलर लुक देखने को मिला।

# क्या दूध पीने से कम हो जाती है एसिडिटी आइए मिलकर जानें

दूध को अक्सर एसिडिटी के इलाज के रूप में देखा जाता है। कई लोग मानते हैं कि दूध पीने से पेट की जलन और एसिडिटी कम होती है।इसमें मौजूद कैल्शियम और प्रोटीन पेट को अस्थायी रूप से राहत देते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो दूध का तात्कालिक प्रभाव होता है, लेकिन लंबे समय तक इसका असर नहीं रहता।आइए इस मिथक को समझें और जानें कि क्या दूध वास्तव में एसिडिटी कम करने में मदद करता है।

### क्या दूध से वाकई में होता है एसिडिटी का इलाज

दूध पीने पर तुरंत राहत मिलती है, क्योंकि यह पेट को ठंडक पहुंचाकरअस्थायी रूप से जलन को कम करता है। यह राहत केवल कुछ समय के लिए होती है, लेकिन बाद में समस्या बढ़ सकती है।दूध में कैल्शियम और प्रोटीन होते हैं, जो पेट में एसिड उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। इससे एसिडिटी की समस्या फिर से उत्पन्न हो सकती है।इसलिए, दूध पीना एसिडिटी का स्थायी समाधान नहीं माना जा सकता।

### जानिए एसिडिटी का सही समाधान

एसिडिटी का सही समाधान संतुलित डाइट और जीवनशैली हो सकते हैं। आपको मसालेदार और तली-भुनी चीजों से बचना चाहिए और कम भोजन करना चाहिए, ताकि पेट पर दबाव न पड़े।इसके अलावा, नियमित एक्सरसाइज और पानी पीना भी फायदेमंद होता है। खाने के बाद तुरंत लेटने से बचें और सोने से पहले हल्का भोजन करें।ताजे फल, सब्जियां और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाना भी लाभकारी हो सकता है। इससे एसिडिटी की समस्या को कम किया जा सकता है।

### डॉक्टर की सलाह लें

अगर आपको बार-बार एसिडिटी की समस्या होती है तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी हो सकता है। वे आपकी स्थिति के अनुसार उचित उपचार बता सकते हैं, जो आपकी समस्या को कम कर सकता है।इस प्रकार, दूध पीकर एसिडिटी कम करने का मिथक पूरी तरह सही नहीं माना जा सकता। बेहतर होगा कि आप संतुलित डाइट अपनाएं और स्वस्थ जीवनशैली जीएं, ताकि आपको इस समस्या से निजात मिल सके।

### दूध के सेवन के मुख्य लाभ

अगर आप अपने रोजाना के खान-पान में दूध शामिल करते हैं, तो आपको कैल्शियम मिल सकता है। इसके सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं, रक्तचाप सुधरता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।इसके अलावा, इससे पाचन स्वास्थ्य भी दुरुस्त हो जाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से निजात मिल सकता है। अगर आप नियमित रूप से दूध पीते हैं, तो आपको आराम की अनुभूति भी हो सकती है।

# स्टाइलिश पिंक लहंगे में नुसरत भरूचा ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर अक्सर अपने लुक्स से लाइमलाइट लूटती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। वो अपनी एक्टिंग से अक्सर फैंस का दिल जीत लेती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने पिंक कलर का स्टाइलिश लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देते हुए कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। ओपन हेयर, सिर पर मांगटीका, हाथों में बैंगल्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। नुसरत भरूचा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

# मेडिसिन बॉल टॉस एक्सरसाइज के जरिए बढ़ेगी ताकत

मेडिसिन बॉल टॉस एक असरदार एक्सरसाइज है, जो ताकत और फुर्ती बढ़ाने में मदद करती है। यह एक्सरसाइज खिलाड़ियों और फिटनेस प्रेमियों के बीच लोकप्रिय है, क्योंकि यह पूरे शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय करती है। मेडिसिन बॉल का उपयोग करके की जाने वाली एक्सरसाइज से न केवल ताकत बढ़ती है, बल्कि संतुलन भी बेहतर होता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर की सहनशक्ति भी बढ़ती है, जिससे आप अन्य शारीरिक गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

### सही तकनीक अपनाएं

मेडिसिन बॉल टॉस करते समय सही तकनीक का पालन करना बहुत जरूरी होता है। सबसे पहले, अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई पर रखें और घुटनों को थोड़ा मोड़ें। अब मेडिसिन बॉल को दोनों हाथों से पकड़ें और अपने शरीर के पास रखें। फिर, अपनी कमर से झुकते हुए गेंद को ऊपर की ओर फेंके। इसके दौरान ध्यान दें कि आपकी पीठ सीधी रहे और फेंकते समय आपके कंधे और हाथ पूरी तरह से समन्वित रहें।

### मेडिसिन बॉल टॉस के विभिन्न प्रकार

मेडिसिन बॉल टॉस के कई प्रकार होते हैं, जिन्हें आप अपनी जरूरतों के अनुसार चुन सकते हैं। फ्रंटल टॉस में गेंद को सामने की ओर फेंका जाता है, जबकि साइडल टॉस में इसे बगल में फेंका जाता है। ओवरहेड टॉस में गेंद को सिर के ऊपर से फेंका जाता है, जिससे ऊपरी शरीर की मांसपेशियों पर अधिक जोर पड़ता है। इन अलग-अलग प्रकारों का अभ्यास करने से आपकी ताकत में बढ़ोतरी आ सकती है।

### परिणाम पाने के लिए नियमित रूप से करें यह एक्सरसाइज

मेडिसिन बॉल टॉस का पूरा लाभ उठाने के लिए इसे नियमित रूप से करना जरूरी है। सप्ताह में कम से कम 3 बार इस एक्सरसाइज का अभ्यास करें।हर सत्र में 10-15 मिनट तक मेडिसिन बॉल टॉस करें, ताकि आपकी मांसपेशियां मजबूत हो सकें और आपका संतुलन बेहतर हो सके।इसके अलावा, इस एक्सरसाइज से आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ सकती है और इसके नियमित अभ्यास से आपको जल्द फायदे महसूस हो सकते हैं।

### सुरक्षा का रखें ध्यान

मेडिसिन बॉल टॉस करते समय सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत अहम होता है। सुनिश्चित करें कि आप एक सुरक्षित स्थान पर खड़े हों, जहां कोई बाधा न हो। अगर आप पहली बार इस एक्सरसाइज को कर रहे हैं, तो हल्की वजन वाली मेडिसिन बॉल का उपयोग करें, ताकि चोट लगने का खतरा कम हो सके।इस तरह, मेडिसिन बॉल टॉस शक्ति बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है।

# हॉलीवुड में पदार्पण करने पूरी तरह तैयार हैं सौंदर्या शर्मा

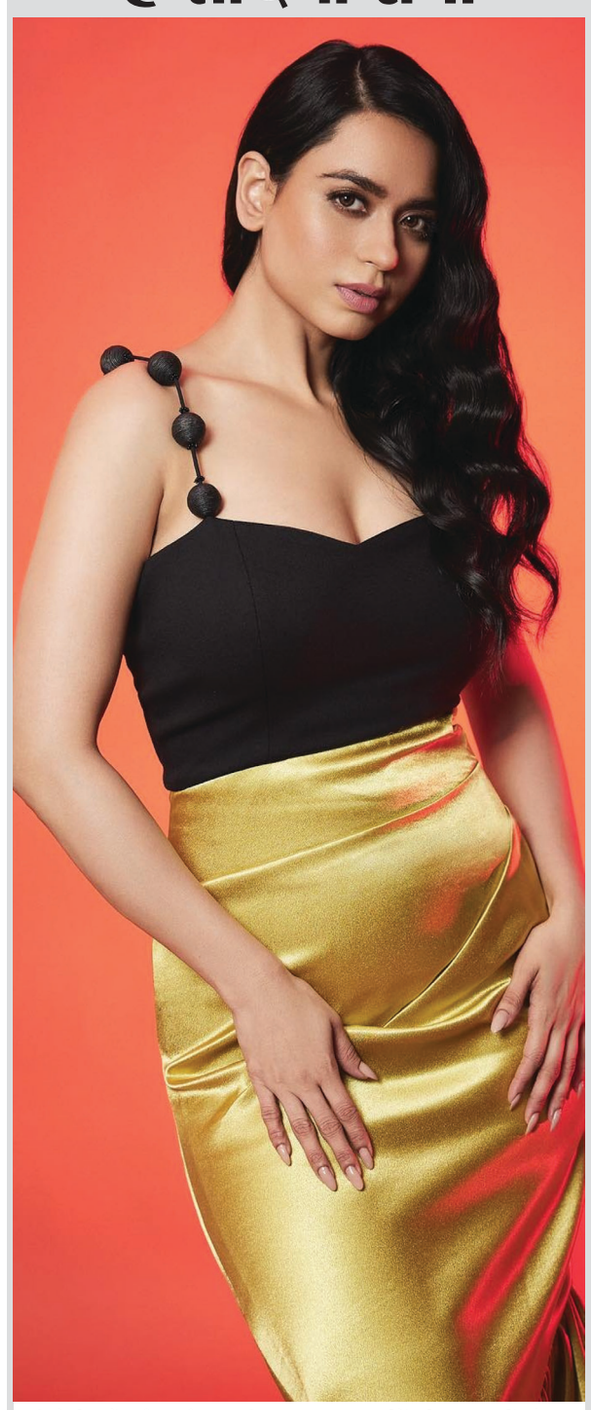

अभिनेत्री सौंदर्या शर्मा जॉन विक श्रृंखला के निर्देशक चैड स्टेल्स्की के साथ हॉलीवुड में पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री बेहद रोमांचित हैं। अपने बड़े डेब्यू के बारे में बात करते हुए सौंदर्या ने कहा, मैं बेहद रोमांचित हूं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि सपने देखते रहो, सपने सच होते हैं। 2024 बेहद खास है - इसकी शुरुआत हाउसफुल 5 से हुई, जिसका सारा श्रेय एनजीई और मेरी गॉडसिस्टर वर्दा नाडियाडवाला को जाता है और अब मैं हॉलीवुड में अपना रास्ता बनाने की कोशिश कर रही हूं, जिसका मुझे वाकई बेसब्री से इंतजार है। मैंने इसी प्रोजेक्ट के लिए लगभग एक साल पहले कुछ सीक्वेंस शूट किए थे, लेकिन मैं इसके पूरा होने तक ज्यादा बात नहीं करना चाहती क्योंकि मैं इसे लेकर अंधविश्वासी हूं।

उन्होंने कहा, मैं जनवरी में लॉस एंजिल्स और फ्रांस में अपना आखिरी शेड्यूल पूरा करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने इस साल अपने हाउसफुल 5 शेड्यूल से पहले इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग की है। एनडीए के कारण, मैं इस परियोजना के बारे में और अधिक जानकारी साझा नहीं कर सकती, लेकिन मैं जल्द ही आदर्श समयसीमा के अनुसार इसे साझा करूंगी।

बिग बॉस 16 की पूर्व प्रतियोगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर निर्देशक चैड स्टेल्स्की के साथ तस्वीरें भी साझा कीं, कैप्शन में लिखा, आखिरकार, मुझे ये पोस्ट करने को मिला!!! जैसा कि वे कहते हैं, सपने देखो, सपने सच होते हैं। अभिव्यक्तियाँ काम करती हैं!

पीएस: जनवरी में कुछ रोमांचक के लिए लॉस एंजिल्स में वापस जाने का इंतजार नहीं कर सकती। भगवान दयालु हैं! हॉलीवुड बुला रहा है।

अमेरिकी स्टंटमैन और फिल्म निर्माता स्टेल्स्की को एटॉमिक ब्लोंड और कई अन्य परियोजनाओं के लिए जाना जाता है। उन्हें ट्रांसफॉर्मर्स, द मैट्रिक्स, सेरेनिटी, एक्स-मेन ऑरिजिंस: वूल्वरिन, द एक्सपेंडेबल्स, जी.आई. जो: रिटैलिएशन, इमॉर्टल्स और कई अन्य बड़ी हॉलीवुड फिल्मों जैसी सफल परियोजनाओं के पीछे मुख्य स्टंटमैन के रूप में भी जाना जाता है।

इस बीच, सौंदर्या को अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल 5 में भी भूमिका मिली है। दंत चिकित्सक से अभिनेत्री बनी सौंदर्या तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित कॉमेडी में मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म में डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, नरगिस फाखरी और सोनम बाजवा भी हैं। हाउसफुल 5 जून 2025 में रिलीज़ होने वाली है। शर्मा सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो बिग बॉस 16 में आने के बाद मशहूर हुए।

# इस करोड़पति बिजनेसमैन के साथ कोजी हुई सकीना

**हाल ही में, अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर निर्वाण के साथ एक तस्वीर साझा की और यह कुछ ही समय में वायरल हो गई। अमीषा पटेल और निर्वाण फिलहाल दुबई में हैं। फोटो में निर्वाण अमीषा को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं और कैमरे के सामने दोनों मुस्कुरा रहे हैं।**

अमीषा पटेल बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार है। अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2000 में 'कहो ना प्यार है' से की थी। अमीषा को इस फिल्म ने रातों-रात स्टार बना दिया। अब हाल ही में, बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने व्यवसायी निर्वाण बिड़ला के साथ डेटिंग की अफवाहों को हवा दी है।

### बिजनेसमैन के साथ वायरल हुई तस्वीर

हाल ही में, अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर निर्वाण के साथ एक तस्वीर साझा की और यह कुछ ही समय में वायरल हो गई। अमीषा और निर्वाण फिलहाल दुबई में हैं। फोटो में निर्वाण अमीषा को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं और कैमरे के सामने दोनों मुस्कुरा रहे हैं। दोनों को रेस्तरां में देखा जा सकता है। अपने पोस्ट के कैप्शन में अमीषा ने निर्वाण बिड़ला को अपना 'डार्लिंग' कहा है।

### फैंस ने दिया शादी करने का सुझाव

अमीषा और निर्वाण की फोटो ने उनके डेटिंग की अफवाहों को हवा दे दी है। पोस्ट शेयर करने के तुरंत बाद, कई प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में आकर उन्हें 'कपल' कहा। दूसरों ने यह भी सुझाव दिया कि उन्हें शादी कर लेनी चाहिए। इस फोटो को निर्वाण बिड़ला ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिर से शेयर किया।

अमीषा की पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट किया, खूबसूरत जोड़ी। दूसरे यूजर ने लिखा, वाकई आप बहुत खूबसूरत और प्यारी जोड़ी हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, मुझे खुशी है कि आखिरकार आपको अपना हमसफर मिल गया। कुछ यूजर्स ने अमीषा को बधाई भी दी। अभिनेत्री ने अभी तक किसी भी टिप्पणी का जवाब नहीं दिया है या डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। अमीषा 49 साल की हैं, जबकि निर्वाण 30 साल के हैं।

### निर्वाण बिड़ला कौन हैं?

निर्वाण एक उद्यमी, एड्यूप्रेन्योर और गायक हैं। वे बिरला ब्रेनियाक्स और बिरला ओपन माइंड्स के संस्थापक हैं। निर्वाण यशोवर्धन बिरला और अवंती बिरला के बेटे हैं।

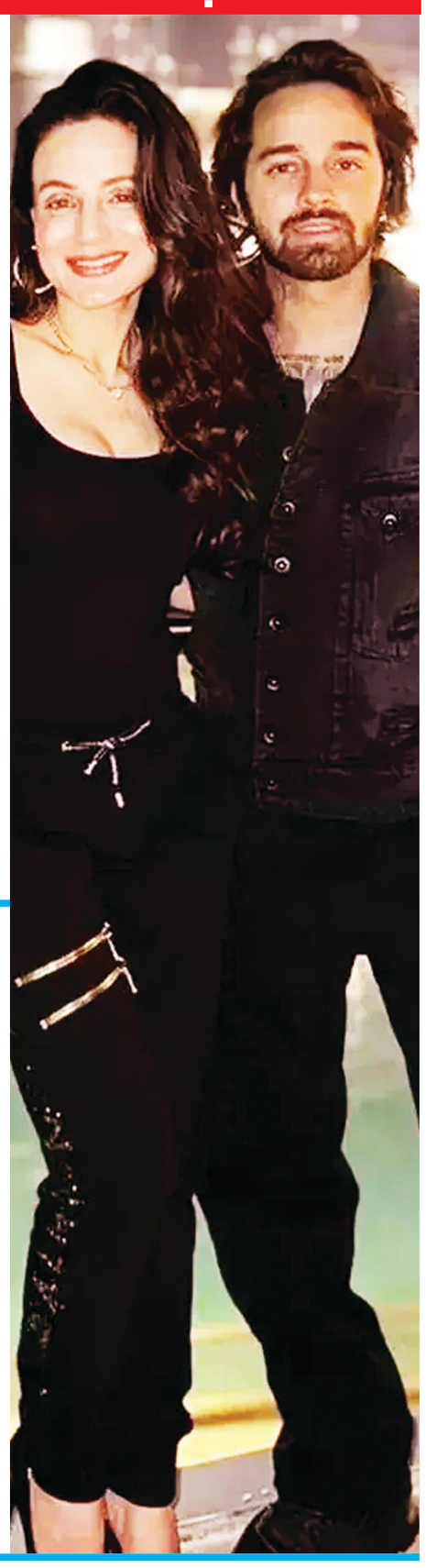

# श्रमवीर हमारे प्रदेश के रीड़ की हड्डी, इनके निरंतर श्रम से ही हमारा राज्य प्रगतिशील : लखन लाल देवांगन

- श्रमवीर हमारे प्रदेश के रीड़ की हड्डी, इनके निरंतर श्रम से ही हमारा राज्य प्रगतिशील
- 46 करोड़ 60 लाख 53 हजार 993 रूपए डीबीटी के माध्यम से 85,026 श्रमिक हितग्राहियों के खाते में हुई अंतरित
- कोरबा में प्रदेश स्तरीय वृहद श्रमिका सम्मेलन का किया गया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य उद्योग व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन की मुख्य आतिथ्य में कोरबा शहर के प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम परिसर में प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल, असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं श्रम कल्याण मंडल अंतर्गत संचालित 17 विभिन्न योजनाओं के 85,026 श्रमिक हितग्राहियों को 46 करोड़ 60 लाख 53 हजार 993 रूपए डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में सीधे अंतरित की गई।

श्रम मंत्री देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्रमवीर हमारे प्रदेश के रीड़ की हड्डी है, इनके निरंतर श्रम से ही हमारा राज्य प्रगतिशील है। उन्होंने कहा कि श्रमवीरों के सच्चे सम्मान के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में श्रमिकों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई है। जिनके बेहतर क्रियान्वयन से श्रमिक को लाभ मिल रहा है।

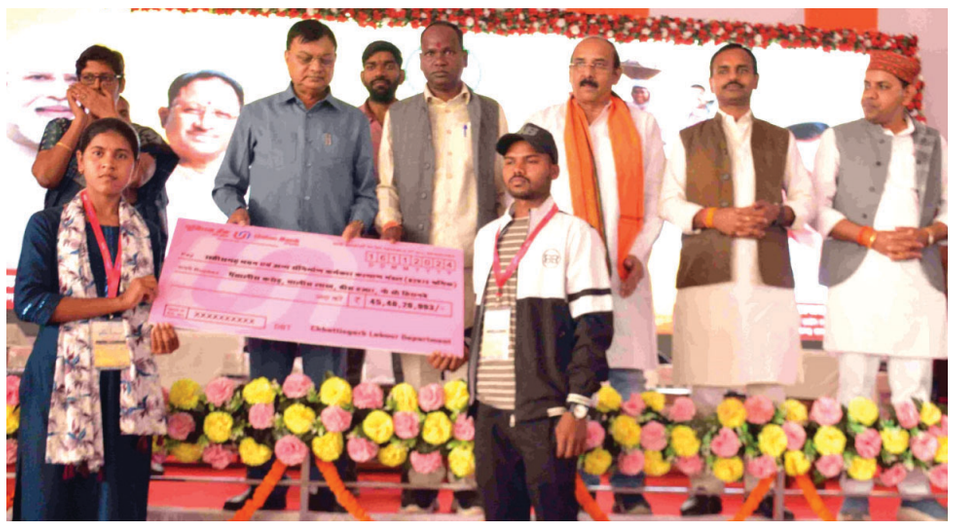

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी वर्ग के हितों के विकास के दृढ़ संकल्पित है। राज्य सरकार द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन में सुशासन और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। अब सरकार एवं श्रमिकों के बीच कोई बिचौलिया नहीं रह गया है। श्रमिकों को उनके हित की राशि अब सीधे उनके बैंक खातों में मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विभिन्न योजनांतर्गत 235 करोड़ की सहायता राशि श्रमिकों को प्रदान की गई थी। अनेक सामग्री का वितरण भी किया गया था। आज भी श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई है। जिसका सीधा लाभ श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को मिलेगा।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा श्रमिक बाहुल्य जिला है। यहां बाल्को, एनटीपीसी एसईसीएल जैसे अनेक संयंत्र स्थापित है। जहां कार्य करने वाले श्रमिकों की बहुलता है। इन मेहनतकश श्रमिकों के हित में वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना संचालित है। जहां श्रमिकों को 5 रुपए में भरपेट भोजन मिलता है। इसे पूरे राज्य में संचालित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग अंतर्गत लागू नई औद्योगिक नीति में अनुदान की व्यवस्था से बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। श्रम मंत्री ने सम्मेलन में पड़ोसी जिलों से आए श्रमिकों का अभिवादन करते हुए कहा कि आप सभी को विभागीय योजनाओं से लाभांवित करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया है, आप सभी इसका लाभ उठाएं। साथ ही विभागीय प्रदर्शनी में जाकर शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें एवं योजनाओं से जुड़कर लाभ लें। उन्होंने बताया कि श्रमिकों की समस्या-शिकायतों के समाधान एवं सहायता के लिए श्रमेव जयते पोर्टल लागू की गई है। जिसका हेल्पलाइन नंबर 0771-3505050 है। उन्होंने श्रमिकों से हेल्पलाइन नंबर साझा करते हुए कहा कि आपकी समस्या व शिकायतों का इसके माध्यम से समाधान किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूमि में श्रमिकों का योगदान अहम है। उनके बिना विकास की परिकल्पना भी संभव नही है। उन्होंने कहा कि श्रमवीरों एवं उनके परिवार के हित में सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की गई है। उन्होंने श्रमिकों को इन योजनाओं की जानकारी रखने एवं उनका लाभ उठाने के किये कहा।

प्रभारी सचिव मंगई डी ने कहा कि देश की तरक्की में श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। उनके सहयोग के बिना विकास की धुरी थम जाएगी। श्रम वीरों के कल्याण के लिए विभाग द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। जिसका उन्हें लाभ दिलाने जिला प्रशासन द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रभारी सचिव ने कहा कि कोरबा से उनका पुराना रिश्ता रहा है। उनके शासकीय सेवा की शुरुआत कोरबा जिले से हुई है। वह यहां सहायक कलेक्टर व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के रूप में अपनी सेवा दे चुकी है। आज लगभग 15 वर्ष बाद पुन: कोरबा आकर प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने बताया कि श्रमिक परिवार के मेधावी बच्चों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारम्भ की गई है। जहां ऐसे परिवार के मेधावी छात्रों का प्रदेश के उत्कृष्ट विद्यालयों में नि:शुल्क अध्ययन की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को अनेक योजनाओं का लाभ दिलाने शिविर लगाई गई है। जहां उनका श्रमिक पंजीयन, स्वास्थ्य जांच कर नि:शुल्क दवाई वितरण भी किया जा रहा है। उन्होंने सभी से शिविरों का लाभ लेने का आग्रह किया।

कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि उर्जाधानी कोरबा में माइंस एवं संयंत्र दोनों संचालित है। जहां बड़ी संख्या में श्रमिक जीविकोपार्जन करते है। राज्य शासन के मंशानुसार श्रमिक परिवारों को लाभान्वित करने हेतु श्रम विभाग की सभी योजनाओं का प्रशासन द्वारा बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ समाज के कमजोर लोगों तक पहुंचाने जिला प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर कार्य किया जा रहा है। जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। नेता प्रतिपक्ष नगर पालिक निगम हितानंद अग्रवाल, पार्षदनरेंद्र देवांगन ने भी संबोधित किया और योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

### स्टॉल के माध्यम से योजनाओं की दी गई जानकारी

सम्मेलन स्थल पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीकृत श्रमिको हेतु संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाया गया था। जिसमे स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाई वितरण, कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के तहत लागू स्कीम, श्रम पंजीयन, प्रधानमंत्री आवास, महतारी जतन, दिव्यांग सहायता, बच्चों हेतु छात्रवृत्ति जैसे अन्य योजनाओं की जानकारी देकर श्रमिको को लाभांवित किया गया। स्थल पर जनसंपर्क विभाग द्वारा छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से शासन की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। विभाग द्वारा शासन की योजनाओं पर आधारित जनमन, सुशासन के नवीन आयाम, उदित छत्तीसगढ़, रोजगार नियोजन जैसे अनेक पत्रिकाओं, ब्रोसर पाम्पलेट का वितरण भी किया गया।

## योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठायें ग्रामवासी - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**राजनांदगांव।** राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की समस्याओं का समाधान करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम मोहारा में किया गया। शिविर में कलेक्टर संजय अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत भरत वर्मा, सीईओ जिला पंचायत सुरूचि सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाया गया। शिविर में मछली पालन विभाग के हितग्राहियों को आईस बाक्स, मछली जाल, कृषि विभाग के हितग्राहियों को मक्का बीज, बैटरी स्प्रेयर, उद्यानिकी विभाग के हितग्राहियों को सब्जी बीज वितरण किया गया। इसी तरह श्रम विभाग द्वारा 35 श्रमिकों को श्रमिक कार्ड, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड वितरण सहित अन्य विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नन्हे बच्चों का अन्नप्राशन्न और गर्भवती महिलाओं की गोदभराई किया गया।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि ऐसी समस्याएं जिनका जिला स्तर पर समाधान हो सकता है उन समस्याओं का निराकरण आज इस जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में उपस्थित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की कई ऐसी योजनाएं संचालित है जो पात्रता होते हुए भी नागरिक नहीं लाभ ले पाते हैं। इसके लिए शासन-प्रशासन इस तरह के शिविर आयोजित कर जनसामान्य को योजनाओं की जानकारी देते है, ताकि लोगों को लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने सभी को इसका अवलोकन कर लाभ लेने कहा। अवलोकन के बाद ही पता चलता है कि किन-किन योजनाओं के लिए पात्र हैं, यह बहुत अच्छा अवसर है इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ रहेगा तो गांव स्वस्थ होगा। उन्होंने कहा कि गांव को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी गांव वालों की होती है। घर और दुकान के कचरे को बाहर नहीं फेकने कहा। स्वच्छता दीदीयों को गीला और सूखा कचरा को अलग-अलग देने कहा। इसके साथ ही निर्धारित शुल्क को समय में देने कहा।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि शासन की धान खरीदी बहुत बड़ी योजना है। उन्होंने बताया कि 14 नवम्बर को धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। धान खरीदी केन्द्रों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध है।

## निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**राजनांदगांव।** कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर छुरिया विकासखंड के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र ग्राम घोटिया में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि शिविर में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम घोटिया को एनीमिया मुक्त ग्राम बनाने का संकल्प लिया गया। स्वास्थ्य सुरक्षा, शिक्षा, संस्कार, सुपोषण अभियान के माध्यम से गांव को स्वस्थ बनाने एवं किशोरी बालिकाओं को समय-समय पर प्रशिक्षण देकर जागरूक करने कहा गया, जिससे मातृ मृत्यु व शिशु मृत्यु नहीं हो। साथ ही दादी-मां का बटुआ अर्थात रसोई में उपलब्ध वस्तुओं के आधार पर स्वस्थ रहने का नुस्खा भी बताया गया। कार्यक्रम में बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, सिकल सेल, एनीमिया एवं अन्य स्वास्थ्य जांच की गई। जांच में 7 ग्राम से कम हीमोग्लोबिन के 4 मरीज, 7 ग्राम हीमोग्लोबिन से अधिक 114 मरीज पाए गए। वही 10 ग्रामीणों की सिकल सेल जांच की गई, जो नेगेटिव पाया गया। बीपी के 25 मरीज एवं शुगर के 2 मरीज मिले। स्वास्थ्य शिविर में 260 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। जिसमें 35 पुरुष एवं 82 महिलाओं की जांच की गई।

शिविर में स्वास्थ्य जांच कर आवश्यकतानुसार मरीजों को नि:शुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर खेलकूद, कुर्सी दौड़, मोमबत्ती दौड़ एवं अन्य खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

## प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातिय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन योजना

### कुवांरपुर में मनाया गया जनजातिय गौरव दिवस सह जिला स्तरीय शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। भगवान बिरसामुण्डा के 150वीं जयंती के अवसर पर आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों और स्मृतियों को संजोने के लिए आज जिले के भरतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत कुवांरपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रागंण में जनजातिय गौरव दिवस सह जिला स्तरीय शिविर का गरिमामयी एवं भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार राज्य के जमुई से वर्चुअली जुड़कर देशवासियों को संबोधित किया। संबोधन को जिला एमसीबी के कुवांरपुर जनमानस ने प्रधानमंत्री का संदेश तन्मयतापूर्वक सुना। उन्होंने बिरसा मुण्डा के स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका और उनकी प्रेरणादायक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा आज भी हमारे समाज में एक आस्था का प्रतीक बने हुये है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुण्डा के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। साथ ही इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा 6,600 करोड़ रूपए से अधिक के विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र सहित भगवान बिरसा मुण्डा, गुण्डाधुर, वीर नारायण सिंह, वीर शहीद गोविंद सिंह, नंद सिंह नायक, रानी दुर्गा आदि की छायाचित्र पर माल्यापर्ण कर तथा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री धरती आभा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत तमाम कई ऐसे लोक महत्व के योजनाओं का शुभारंभ आज बिहार प्रांत के जमुई से प्रधानमंत्री जी ने किया है। जिसका लाइव प्रसारण हम सबने देखा। हमारे जनकपुर का यह क्षेत्र बहुत ही अद्भुत क्षेत्र है यह चारों ओर से घने वनों से घिरा हुआ। यहां के रहने वाले लोग खेतिहर किसान, मेहनतकश नौजवान है। इसके साथ ही हमारे इस क्षेत्र के संपूर्ण जिले में सबसे ज्यादा विशेष पिछड़ी जनजातियों के गांव की बसाहट सहज ही मन को आकर्षित करता है। प्रभु श्री राम जब 14 साल का वनवास हुआ तो हमारे छत्तीसगढ़ के जनकपुर क्षेत्र में प्रवेश हुआ जिसे हरचौका और सीतामढ़ी के नाम से जाना जाता है। यह भगवान श्री रामचंद्र जी का प्रवेश स्थल है। यह क्षेत्र छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान या टाइगर रिजर्व के नाम से जाना जाएगा। यहा पर हमारे कई जनजाति वर्ग और पिछड़ी विशेष जनजाति वर्ग के लोग निवास करते हैं। उन्होंने आगे कहा प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से पक्का मकान देने का काम करेंगे। हमारी सरकार ने 18 लाख छत्तीसगढ़ के परिवार के लोगों का प्रधानमंत्री का आवास की स्वीकृति हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव जी ने दिया है। आज जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर सभी जनजाति भाइयों को मैं हृदय से बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

घोषणा - प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लिए 75 लाख रुपये की घोषणा, कलर सोनोग्राफी की घोषणा तथा दो शवगृह की घोषणा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया श्रीमती रेणुका सिंह ने बिरसा मुण्डा के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके इतिहास के बारे में बताया। लेकिन हमारे जनजाति समाज के क्रांतिकारी उससे पहले भी उससे पहले लड़ाई लड़ रहे थे।

## गिद्ध संरक्षण पर कार्यशाला: बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और बर्ड काउंट इंडिया के विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** गिद्ध संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा इस कार्यक्रम में शोधकर्ता, छात्र, और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एकत्रित हुए, जहां गिद्ध संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। कार्यशाला में बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और बर्ड काउंट इंडिया जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के विशेषज्ञों ने गिद्धों की वर्तमान स्थिति, उनकी संख्या में गिरावट के कारण और उनके लिए सकारात्मक वातावरण बनाने के उपायों पर चर्चा की।

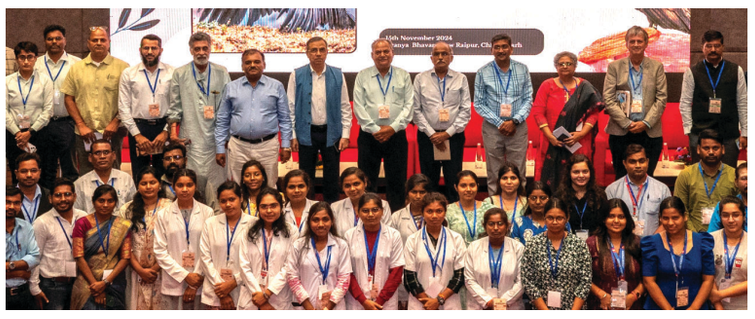

शोधकर्ताओं और छात्रों ने गिद्ध संरक्षण के महत्व और उससे संबंधित चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में न केवल गिद्ध संरक्षण के प्रयासों को प्रोत्साहन दिया, बल्कि सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित भी किया। शोधकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ में गिद्धों की गणना से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत किए। इंद्रावती टाइगर रिजर्व और अचानकमार टाइगर रिजर्व के प्रयासों को विशेष रूप से सराहा गया, जहां गिद्ध संरक्षण के लिए वल्चर रेस्टोरेंट और वल्चर सेफ जोन जैसी पहल की जा रही हैं। वन विभाग, पशु चिकित्सा विभाग और ड्रग कंट्रोल विभाग के साथ समन्वय स्थापित करेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्री प्रेम कुमार ने कहा कि गिद्ध संरक्षण के लिए छत्तीसगढ़ वन विभाग नागरिकों की भावनाओं को गिद्धों से जोड़ने का प्रयास करेगा, जिससे वे इनके संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनें। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में व्हाईट रम्पड वल्चर को पुन: बसाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी तरह वन विभाग, पशु चिकित्सा विभाग और ड्रग कंट्रोल विभाग के साथ समन्वय स्थापित करेगा, ताकि पालतू जानवरों के उपचार के दौरान उपयोग किए जाने वाले घातक दवाईयों पर प्रतिबंध लगाया जा सके। इसी तरह स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे छात्रों को प्रकृति और गिद्ध संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके। संरक्षण के प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिए वन विभाग एनजीओ, शोधकर्ताओं और अन्य संबंधित संगठनों के साथ समन्वय करेगा। गिद्धों के आवास और उनकी गतिविधियों को समझने के लिए एक निगरानी प्रणाली विकसित की जाएगी और उनका जियोटैगिंग किया जाएगा।

इस कार्यशाला में वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक आर. के. सिंह, सहायक प्रधान मुख्य वन संरक्षक, योजना एवं विकास अरुण कुमार, सीसीएफ वाइल्डलाइफ एवं फील्ड डायरेक्टर, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व सातोविषा समझदार, संचालक, जंगल सफारी रायपुर धम्मशील गणवीर, उप निदेशक, अचानकमार टाइगर रिजर्व यू. आर. गणेश, उप निदेशक, इंद्रावती टाइगर रिजर्व संदीप बालगा और डीएफओ, कवर्धा शशि कुमार उपस्थित रहे।

### 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 18 से

राजनांदगांव । स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित एवं स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 18 से 22 नवंबर 2024 तक खेली जायेंगी। प्रतियोगिता में देश के 33 राज्यों एवं संस्थाओं की टीमें हिस्सा ले रही हैं।


चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

## नाबालिग से दुष्कर्म, साथी ने वीडियो बनाकर तीसरे दोस्त को भेजा, तीनों पहुंचे जेल

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म करने के साथ ही उसका वीडियो बनाकर वायरल करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया और वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार शाहिद अंसारी ने अपने साथी रामचंद्र साहू के घर ले जाकर दो बार लड़की के साथ अनाचार किया, जिसका वीडियो रामचंद्र साहू ने बनाकर अपने साथी ताकिर अली को भेज दिया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान ने बताया कि मामले का मुख्य आरोपी शाहीद अंसारी है जिसने पीड़िता को अपने साथी रामचंद्र साहू के घर ले गया और दो बार उसकी अस्मत लूटी इसके बाद रामचंद्र साहू ने उसका वीडियो बनाकर अपने साथी ताकिर अली को भेज दिया। वीडियो वायरल होने के बाद मामला पुलिस के पास पहुंचा जिसके बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में लिप्त तीनों आरोपियों ने अपना गुनाह कुबूल कर लिया है। कोर्ट में पेश करन के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया है।



## ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

**रायपुर।** पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा निजात अभियान के तहत नशे के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें समस्त थाना एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रहीं है। नारकोटिक्स एक्ट पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की विशेष टीम का गठन किया गया है साथ ही समस्त थाना प्रभारियों को नशे की सामाग्री बिक्री करने वालों एवं सप्लाई करने वालों पर कठोर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में 16 नवंबर 2024 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट अंतर्गत गठित नारकोटिक्स सेल की टीम को सूचना प्राप्त हुई।

थाना सिविल लाईन क्षेत्रांतर्गत दुर्गा नगर केनाल रोड पास कुछ व्यक्ति अपने पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए. रखें है तथा बिक्री की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन अजय कुमार (भापुसे) तथा उप पुलस अधीक्षक क्राईम संजय सिंह द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी सिविल लाईन को आरोपियों को प्रतिबंधित मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिस पर वरिष्ठि अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना सिविल लाईन पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबीर द्वारा बताये उक्त स्थान जाकर हुलिये के व्यक्यिों को चिन्हांकित कर घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम क्षितिज पाण्डेय, सिद्धार्थ राय एवं आयूष अग्रवाल निवासी रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उनकी तलाशी लेने पर उनके पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए रखा होना पाया गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से प्रतिबंधित मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए 3.88 ग्राम तथा घटना से संबंधित 04 नग स्मार्ट मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 2,00,000/- रुपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 591/24 धारा 22बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वर्ष 2024 में ही एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा प्रतिबंधित मादक पदार्थ एम.डी.एम.ए के प्रकरण में थाना खम्हारडीह से आरोपी आयूष अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया था जिसमें आरोपी जेल निरूद्ध था।

# बलरामपुर में मिले मानव कंकाल का खुला राज मां-बेटी व बेटे की हत्या कर लगाया था ठिकाने

## पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार, कुसमी प्रभारी लाइन अटैच

श्रीकंचनपथ न्यूज









**बलरामपुर।** छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में एक दिन पहले बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स की फैक्ट्री से लगे खेत में मिले मानव कंकाल का राज खुल गया है। यह कंकाल किसी और के नहीं बल्कि डेढ़ माह पहले लापता हुए मां-बेटी व बेटे के हैं। पुलिस को मौके पर मिले मानव कंकाल के साथ साड़ी, पैंट व अन्य कपड़े मिले जिससे तीनों की पहचान की गई। तीनों की बेरहमी से हत्या की गई और बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स की फैक्ट्री के पास ठिकाने लगा दिया गया। हत्याकांड की वजह 17 वर्षीय नाबालिग बेटी का लव अफेयर बना।

बता दें बलरामपुर थाना क्षेत्र के दहेजवार गांव में बंद पड़े फ्लाई ऐश ब्रिक्स फैक्ट्री से लगे खेतों में मानव कंकाल मिले। खोपड़ियों के साथ मानव अंग के अवशेष पाए गए। जिस खेत में अवशेष पाए गए वह महराजगंज के एक व्यक्ति था। शुक्रवार को वह धान काटने पहुंचा तो उसकी नजर पड़ी और देखते ही देखते बात फैली और हड़कंप मच गया। इसके बाद मौके पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम से जांच कराई। साड़ी, सलवार, पैंट और अन्य कपड़ों भी मिले। तीनों की पहचान कुसमी से 27 सितंबर से लापता सूरजदेव ठाकुर की पत्नी कौशल्या ठाकुर (36 साल), बेटी मुक्तावती उर्फ मुस्कान ठाकुर (17 साल) और बेटा मिंटू ठाकुर (6 साल) के रूप में हुई। सूरजदेव ठाकुर ने अपनी पत्नी-बेटी व बेटे के लापता होने की शिकायत 27 सितंबर को लिखाई थी।

### पुलिस की गिरफ्त में आरोपी मोख्तार अंसारी

लापता मां-बेटी व बेटे के शव मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले में झारखंड के बरगढ़ निवासी मोख्तार अंसारी को गिरफ्तार किया है। मोख्तार ने हत्या की बात स्वीकार कर ली है। दरअसल मोख्तार के छोटे भाई आरिफ अंसारी से मुस्कान ठाकुर का प्रेम संबंध था। आरिफ कुसमी में रहकर ठेकेदारी का काम करता है और अच्छे पैसे कमा रहा था। आरिफ और मुस्कान के बीच प्रेम संबंध की पुष्टि कॉल डिटेल और मोबाइल चैट से हुई है। पुलिस की पूछताछ में मुख्तार अंसारी ने हत्या का कारण पुलिस को बताया।

### भाई पैसे नहीं भेजता था इसलिए नाराज था मुख्तार

आरोपी मोख्तार अंसारी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसके पिता को सांप ने काट लिया था, जिससे उसके शरीर के अंग गल रहे हैं। इसके बावजूद छोटा भाई आरिफ पिता के इलाज के लिए पैसे नहीं भेजता था। इससे मोख्तार अंसारी नाराज था। उसे पता था कि आरिफ किसी लड़की के लिए सारे पैसे खर्च कर रहा है। इसके बाद उसने लड़की व उसके परिवार को मारने की प्लानिंग की। मोख्तार अंसारी कौशल्या ठाकुर, मुस्कान और मिंटू ठाकुर को लेकर कुसमी से बलरामपुर लेकर गया। दहेजवार में जहां कंकाल मिले हैं, उसके पास ही झोपड़ीनुमा घर में तीनों को रखा और रात में तीनों जब सो गए तो कुल्हाड़ी से सिर और माथे पर कई वार किए। तीनों की हत्या के बाद खाली खेत में बने नाले में फेंक आया। लगभग डेढ़ माह बाद तीनों शवों के कंकाल ही लोगों को मिले।

### लापरवाही के लिए कुसमी थाना प्रभारी लाइन अटैच

इस पूरे में एक और बात सामने आई है। दरअसल जब तीनों लापता हुए तो सूरजदेव ठाकुर ने आरिफअंसारी पर शक जताया था। पुलिस ने आरिफसे पूछताछ की तो उसने मोख्तार द्वारा तीनों को लेकर जाने की बात भी बताई गई लेकिन पुलिस ने कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई। यहां तक कि कौशल्या की मां कमला बाई ने मुख्यमंत्री कैंप बगिया में भी आवेदन दिया लेकिन फिर भी कार्रवाई नहीं हुई। अब जब कंकाल सामने आए और हत्या का राज खुला तो एसपी ने थाना प्रभारी पर एक्शन लिया है। कुसमी थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल लाइन अटैच कर दिया गया है।

# अवैध धान भंडारण पर रेड के लिए पहुंचे अधिकारियों से भिड़ गया शख्स, विभाग ने कार्रवाई कर भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**महासमुंद।** छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के बाद धान के अवैध परिवहन के साथ ही अवैध भंडारण की भी शिकायतें मिल रही हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अवैध धान के भंडारण व परिवहण करने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में महासमुंद अवैध भंडारण की शिकायत पर कार्रवाई करने गए अधिकारियों पर गोदाम संचालक भिड़ गया। उसने अधिकारियों से बदसलुकी की। इसके बाद अधिकारियों ने कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार महासमुंद जिले के बसना अनुविभागीय अधिकारी मनोज खांडे के निर्देशन में 15 नवंबर की देर रात ग्राम अंकोरी में विशाल गजेंद्र और जगदीश सिदार के घर में क्रमशः 479 और 400 कट्टा धान के अवैध भंडारण पर सख्ती बरतते हुए कुल 879 कट्टा धान जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत करावाई किया गया। अधिकारियों को सूचना मिली थी कि अंकोरी के विशाल गजेंद्र और जगदीश सिदार के घर मे बिना पर्याप्त दस्तावेज के धान का भंडारण किया गया है। तत्पश्चात राजस्व की टीम ने छापामार कार्रवाई की और दस्तावेज मांगे, परंतु पर्याप्त दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे। इस मामले में प्रशासन द्वारा धान को जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत करवाई कर जब्त किया गया था।

### अधिकारियों को देख लेने की दी धमकी

कारवाई के दौरान जांच मे गए अधिकारियो के साथ विशाल गजेंद्र द्वारा बदसलुकी और दुर्व्यवहार किया गया। साथ ही देख लेने की धमकी भी दी गई। उक्त कृत्य के चलते अनुविभागीय अधिकारी मनोज खांडे द्वारा कार्रवाई करते हुए विशाल गजेंद्र को जेल भेजा गया। उल्लेखित है कि प्रशासन द्वारा पहले दिन ही सरायपाली, पिथौरा मे बड़ी कारवाई की गई है। जिसमे ट्रक मे अवैध परिवहन करते और 1000 कट्टा धान का भण्डारण किया गया था। जिसे जप्त किया गया। महासमुंद कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर अवैध परिवहन और भण्डारण पर लगातार सख्ती से कारवाई की जा रही है और जांच में दोषी पाए जाने वालों पर उचित कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई मे अनुविभागीय अधिकारी मनोज खांडे,तहसीलदार ममता ठाकुर फूड इंस्पेक्टर, मंडी उपनिरीक्षक,पटवारी मौजूद थे।

# बाइक चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे, दो एक्टिवा व 12 मोटरसाइकिल बरामद पार्किंग से पार करता था शातिर



श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** दुर्ग पुलिस ने एक शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। शहर के पार्किंग स्थलों से यह शख्स बाइक पार करता था। एक मामले की शिकायत के बाद जब पुलिस ने खोजबीन शुरू की तो यह चोर हाथ लगा। चोर के पास एक दो नहीं बल्कि 14 गाड़ियां मिली। इनमें दो एक्टिवा व 12 मोटरसाइकिल शामिल है। आरोपी के खिलाफआगे की कार्रवाई थाना मोहन नगर द्वारा की गई।

जिले में लगातार वाहन चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसपी जितेन्द्र शुक्ला द्वारा ऐसे मामलों में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों की शीघ्र पतासाजी एवं माल बरामदगी का निर्देश दिया गया है। इस बीच थाना मोहन नगर मे सुर्यकांत चक्रधारी शिकायत दर्ज कर बताया कि 29 अक्टूबर 2024 की शाम 6 बजे उसने अपनी बाइक सीजी 07 डीटी 5832 ग्रीन चौक के पास खडा किया था जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। रिर्पोट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है।

टीम द्वारा संदेहियों पर सतत् निगाह रखी जा रही थी, विशेष सूत्र भी लगाये गये थे। जेल से रिहा हुए पूर्व के आदतन अपराधियों पर भी निगाह रखी जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि कौशल साहू निवासी बांधा तालाब दुर्ग जो धमधा नाका पुलिया के पास चोरी की मोटर सायकल चञ्ज्ञरू बाइक लेकर बेचने के फिराक में खडा हैं। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर उक्त व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गये व्यक्ति से पूछताछ करने पर अपना नाम कौशल साहू निवासी बांधा तालाब दुर्ग बताया तथा उक्त वाहन के संबंध में पूछताछ करने पर ग्रीन चौक से चोरी करना स्वीकार किया।

कड़ाई से पूछताछ करने पर विगत 2-3 वर्षों में विभिन्न स्थानो रायपुर, दुर्ग क्षेत्र, थाना मोहन नगर क्षेत्र, भिलाई क्षेत्र के अलग-अलग स्थानो से 6 नग मोटर सायकल दुर्ग अस्पताल के स्टैंड से, 07 नग दुर्ग बस स्टैंड से, 01 नग ग्रीन चौक से, कुल 14 नग वाहन चोरी करना स्वीकार किया। जिसे दुर्ग-भिलाई के अलग-अलग पार्किंग स्थलो में खडा करना बताता है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस द्वारा अलग-अलग पार्किंग स्थलो से कुल 14 नग वाहनों को जब्त कर अग्रिम कार्यवाही थाना मोहन नगर से की जा रही है। जब्त वाहन स्वामियों की पतासाजी की जा रही है। उक्त कार्यवाही में एएसआई नरेन्द्र सिंह राजपुत, प्रधान आरक्षक धनंजय वर्मा, आरक्षक बालमुकुंद साहू एवं थाना मोहन नगर से एएसआई झुमुक लाल ठाकुर, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार, आरक्षक राजेश्वर साहू की उल्लेखनीय भूमिका रही।

# कोर्ट कमिश्नर शर्मा ने देखा दुर्ग की सड़कों पर ब्लैक स्पॉट, अफसरों को दिए सुधार के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज



**भिलाई।** दुर्ग जिले में ब्लैक स्पॉट की जांच के लिए बिलासपुर हाईकोर्ट के कोर्ट कमिश्वन रवीन्द्र शर्मा एक दिन के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने दुर्ग स्थित सर्किट हाउस में रोड सेफ्टी सेल के प्रभारियों की मीटिंग ली। इसमें उन्होंने सभी प्रभारियों से उनके क्षेत्र में पड़ने वाले ब्लैक स्पॉट की जानकारी मांगी। मीटिंग में सभी प्रभारियों ने उन्हें जो जानकारी दी। मीटिंग के बाद सभी ब्लैक स्पॉट देखने देखने पहुंचे। अधिकारियों के बताए अनुसार सभी ब्लैक स्पॉट का बारीकी से निरीक्षण के बाद इसमें आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

बिलासपुर हाईकोर्ट के कोर्ट कमिश्वन रवीन्द्र शर्मा रसमड़ा बाईपास रोड, सोनेसरार, चिखली चौक, शनि मंदिर नगपुरा, महमरा टर्निग अंजोरा, फुण्डा चौक, तर्रा एवं ढौर चौक खेदामारा का निरीक्षण किया गया। उक्त ब्लैक स्पॉटो में उचित प्रकाश व्यवस्था, रम्ब्ल्ड्र स्ट्रीप्स, साईन बोर्ड, हाईमास्क लाईट, मोड में चेवरान साईन बोर्ड, अवैध कब्जा हटाने तथा झाडियों की छटाई कराने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिले के भीतर भारी व मध्यम माल वाहक वाहनो को शहर के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है उक्त स्थानों पर भारी व मध्यम माल वाहक प्रवेश प्रतिबंधित का बोर्ड लगाया गया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ एडीएम दुर्ग अरविंद एक्का, दुर्ग निगम आयुक्त सुमीत अग्रवाल, एएसपी ट्रैफिक्र ऋचा मिश्रा, ट्रैफिक्र डीएसपी सतानंद विध्यराज, एसडीएम पाटन लोकेश ध्रुव, एसडीएम भिलाई नगर हितेश पिस्दा, एसडीएम दुर्ग सोनल डेविड, आरटीओ दुर्ग एसएल लकड़ा, तहसीलदार भिलाई प्रफुल्ल गुप्ता, जयंत वर्मा सब इंनजिनियर एनएच पीडब्ल्यूडी, अभिजीत सोनीएनएच पीडब्ल्यूडी, बोधीराम घिरही, निरीक्षक यातायात भिलाई 03, सुनील मेश्राम सब इंजिनियर पीडब्ल्यूडी दुर्ग आदि उपस्थित रहें।

### बाइक सवार युवक को कार ने कुचला, मौके पर मौत, परिजनों में मातम

**जगदलपुर।** सुकमा जिले के दोरनापाल थाना क्षेत्र से लगे सीएचसी से 500 मीटर आगे सामने से आ रही बाइक सवार को सीआरपीएफ जवानों के वाहन ने ठोकर मार दी। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक युवक सीआरपीएफ में निकली भर्ती के लिए फॉर्म जमा करने के लिए गया था, तभी लौटते समय ये हादसा हुआ है। मामले की जानकारी देते हुए दोरनापाल थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा ने बताया कि गादीरास के पास रहने वाला रामसिंह कश्यप 22 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल में सवार होकर शुक्रवार की सुबह कोंटा सीआरपीएफ भर्ती में अपना फॉर्म जमा करने के लिए गया हुआ था।

फॉर्म को जमा करने के बाद वापस अपने घर लौट रहा था कि अचानक सीएचसी के आगे सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

# विश्व पर्यटन मानचित्र में बस्तर के धुड़मारास गांव ने बनाई अपनी जगह

**संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के उन्नयन कार्यक्रम के लिए चयनित हुआ**

**ग्राम धुड़मारास**

**साहसिक पर्यटन के लिए प्रसिद्ध बस्तर के धुड़मारास**

**गांव की पहचान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुई स्थापित**

**मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के छोटे से गांव धुड़मारास ने देश और दुनिया में अपनी अनोखी पहचान बनाई है। बस्तर जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित धुड़मारास गांव को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के उन्नयन कार्यक्रम के लिए चयनित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के पर्यटन ग्राम उन्नयन कार्यक्रम के लिए 60 देशों से चयनित 20 गांवों में भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के धुड़मारास ने भी अपनी जगह बनाई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि के लिए पर्यटन विभाग की टीम के साथ ही बस्तर जिला प्रशासन तथा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि धुड़मारास की सफलता का मुख्य श्रेय यहां के स्थानीय निवासियों को जाता है, जिन्होंने अपने पारंपरिक ज्ञान और संसाधनों को संरक्षित रखते हुए इसे आकर्षक पर्यटक स्थल में बदल दिया है। धुड़मारास प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। बस्तर के अदभुत आदिवासी जीवनशैली, पारम्परिक व्यंजन, हरियाली और जैव विविधता से समृद्ध यह गांव पर्यटकों के लिए एक आकर्षक ही नहीं बल्कि रोमांचक स्थल है।

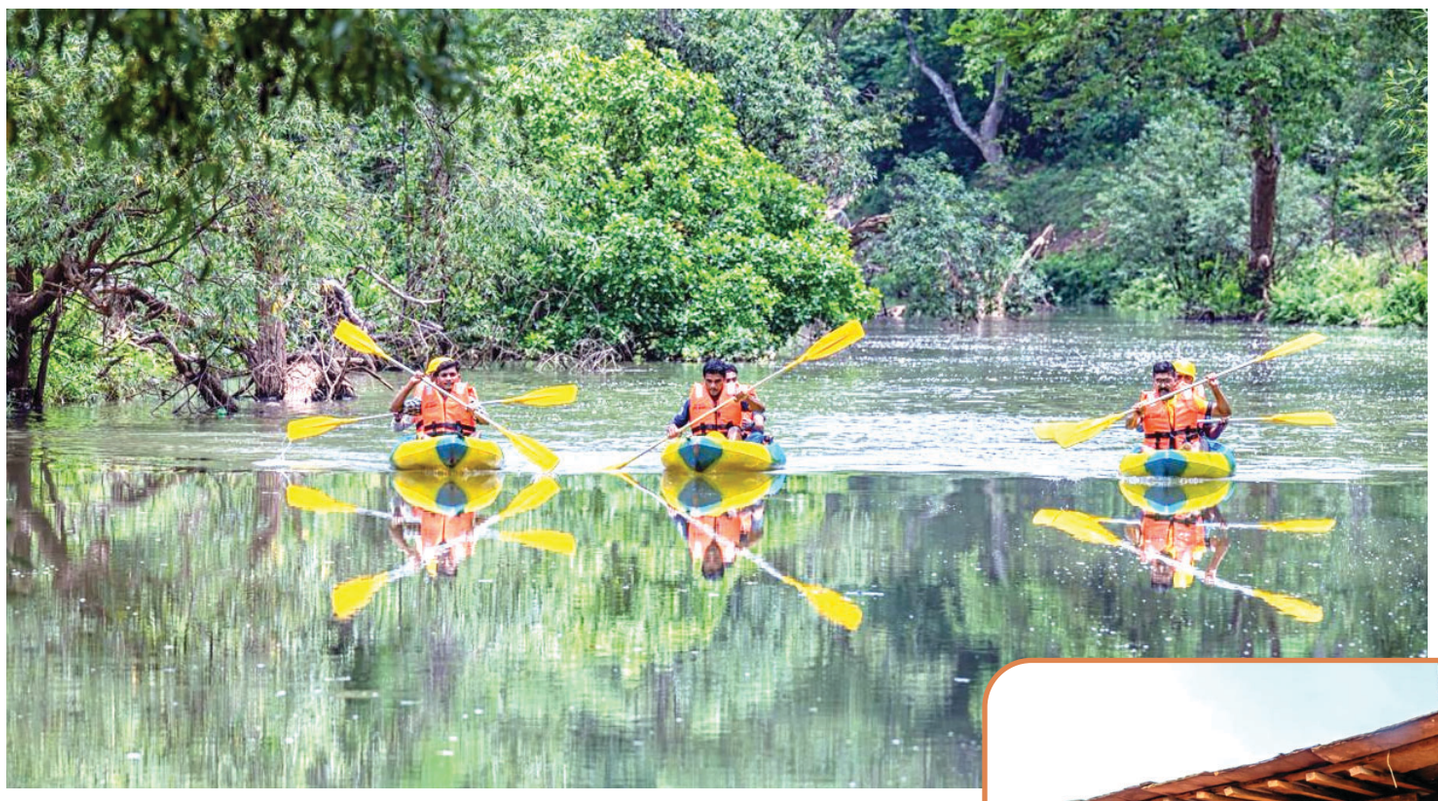

धुड़मारास गांव दुनिया भर के उन 20 गांवों में से एक है जिसे सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव उन्नयन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चुना गया है। धुड़मारास को इसकी अनूठी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और सतत पर्यटन विकास की क्षमता के कारण चुना गया है। उन्नयन कार्यक्रम में शामिल होने से गांव को उन संसाधनों तक पहुंच प्राप्त होगी जो इसके पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, सांस्कृतिक संपत्तियों को बढ़ावा देने और ग्रामवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार में मदद करेंगे। विश्व स्तर पर पर्यटन गांव के रूप में इस गांव की पहचान स्थापित होने का तात्पर्य यह भी है कि लंबे समय के बाद बस्तर में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि धुड़मारास तथा बस्तर के ही चित्रकोट गांव को इस वर्ष 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव का पुरस्कार मिला था। प्रकृति की गोद में बसा धुड़मारास गांव घने जंगलों से घिरा हुआ है। गांव के बीच से बहती कांगेर नदी इसे मनमोहक बना देती है। बस्तर के लोग मेहमाननवाजी के लिए जाने जाते हैं। यही वजह है कि स्थानीय लोग अपने घरों को पर्यटकों के लिए उपलब्ध करवा रहे हैं, ठहरने की सुविधा उपलब्ध करवाने से उन्हें रोजगार मिल रहा है। गांव के युवा पर्यटकों को आसपास के क्षेत्रों की सैर कराते हैं। स्थानीय खानपान के अंतर्गत पर्यटकों को बस्तर के पारम्परिक व्यंजन परोसे जाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर में पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए ट्रैकिंग ट्रेल और कैंपिंग साइट विकसित करने सहित होम-स्टे की सुलभता हेतु पहल कर रही है। साथ ही स्थानीय शिल्पकारों और कलाकारों को प्रोत्साहन दे रही है, जिससे ईलाके के रहवासी ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार की उपलब्धता होने के साथ आय संवृद्धि हो सके। राज्य सरकार पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु क्षेत्र में सड़कों और परिवहन सुविधाओं का विकास पर भी ध्यान दे रही है। बस्तर के पर्यटन स्थलों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में देश के पर्यटकों सहित अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए व्यापक प्रचार- प्रसार किया जा रहा है। वहीं स्थानीय हस्तशिल्प और कला को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार के वन एवं पर्यटन विभाग ने धुड़मारास को ईको-टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब जिले के नागलसर और नेतानार में भी स्थानीय युवाओं की ईको पर्यटन विकास समिति द्वारा गांव में बहने वाली शबरी एवं कांगेर नदी में कयाकिंग एवं बम्बू राफ्टिंग की सुविधा पर्यटकों को मुहैया कराई जा रही है। साथ ही स्थानीय व्यंजन से पर्यटकों को बस्तर के पारम्परिक खान-पान का स्वाद मिल रहा है।

गांव के युवाओं की ईको पर्यटन विकास समिति कांगेर नदी में कयाकिंग और बम्बू राफ्टिंग की सुविधाएं पर्यटकों को उपलब्ध करवाती है, जिससे इस समिति को अच्छी आमदनी हो रही है। यह पर्यटन समिति अब अपनी आय से गांव में पर्यटकों के लिए प्रतीक्षालय और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित कर रहे हैं।

बेस्ट टूरिज्म विलेज धुड़मारास की कहानी यह साबित करती है कि जब सामुदायिक भागीदारी और शासन का सहयोग मिलता है, तो ग्रामीण क्षेत्रों में भी आर्थिक और सांस्कृतिक विकास संभव है। यह गांव अब बस्तर के अन्य गांवों के लिए प्रेरणा बन गया है। यही वजह है कि कांगेर घाटी नेशनल पार्क के नागलसर और नेतानार में भी ईको-टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है।

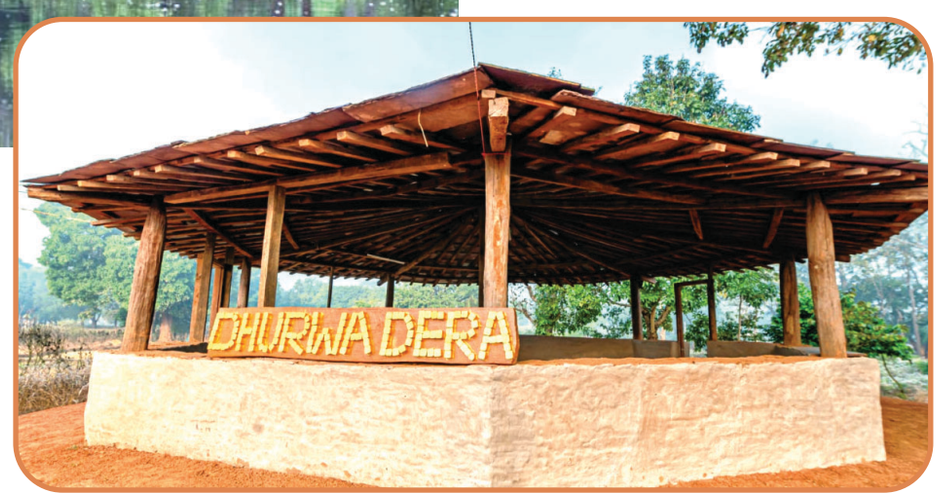


# छत्तीसगढ़ में पिछले 11 महीनों में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवासों के निर्माण में आई तेजी

**प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लिए सर्वेक्षण शुरू, नए हितग्राहियों को भी अब मिलेंगे आवास**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले साल दिसम्बर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद से शहरों में प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में तेजी आई है। दिसम्बर-2023 से अक्टूबर-2024 के बीच पिछले 11 महीनों में ही करीब 50 हजार आवासों के निर्माण पूर्ण किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर गरीब के लिए आशियाने के सपने को पूरा करने का काम छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहा है।

दिसम्बर-2023 में राज्य में नई सरकार के गठन के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के कार्यों में तेजी लाते हुए 49 हजार 834 आवासों का काम पूर्ण किया गया है। इनमें विभिन्न शहरों के हितग्राहियों द्वारा अपनी खुद की जमीन पर बनाए गए 44 हजार 419 और योजना के साथ भागीदारी में किफायती आवासीय परियोजनाओं के माध्यम से निर्मित 5415 आवास शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने बताया कि बीते 11 महीनों में योजना की भौतिक और वित्तीय प्रगति में अच्छी तेजी आई है। सभी नगरीय निकायों में बनाए जा रहे आवासों और निर्माण एजेंसियों के कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है और उन्हें गरीबों के आशियाने के सपने को जल्द पूरा करने के लिए तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 11 महीनों के दौरान हर माह औसतन हितग्राहियों द्वारा अपनी खुद की भूमि में बनाए जा रहे 4002 मकानों के काम पूर्ण किए गए हैं, जबकि वर्ष 2018 से 2023 के बीच यह औसत केवल 1592 थी। योजना के साथ भागीदारी में बनाए जा रहे किफायती आवासीय परियोजनाओं के निर्माण और आबंटन में भी तेजी लाते हुए विगत 11 महीनों में 7348 परिवारों को आवास आबंटित कर 5855 हितग्राहियों को पूर्ण आवासों में व्यवस्थापित किया गया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के लिए भी प्रदेश में सर्वेक्षण शुरू हो गया है। इसके अंतर्गत ऐसे शहरी पात्र परिवार जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के पहले चरण में आवास नहीं मिल पाए थे, उन्हें पक्का मकान उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 में हितग्राहियों की सुविधा के लिए आवास हेतु आवेदन की प्रक्रिया का सरलीकरण किया गया है। आवास के आवेदन सरलतापूर्वक ऑनलाईन माध्यम से भारत सरकार के अधिकृत पोर्टल पर स्वयं हितग्राही द्वारा दर्ज किया जा सकता है। इसके साथ ही प्रदेश की सभी 189 अधिसूचित नगरीय निकायों में हेल्पडेस्क के माध्यम से भी आवेदन की प्रक्रिया संपादित की जा सकती है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों में कुल दो लाख 49 हजार 166 आवास स्वीकृत हैं। इनमें लाभार्थियों द्वारा अपनी खुद की भूमि पर बनाए जाने वाले दो लाख 11 हजार 069 और किफायती आवासीय परियोजनाओं के तहत बनने वाले 38 हजार 097 आवास शामिल हैं। शहरी गरीबों के स्वयं के पक्के मकान का सपना जल्द से जल्द पूरा करने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा तेजी से इन आवासों का निर्माण किया जा रहा है। योजना के तहत राज्य में अब तक कुल एक लाख 96 हजार 967 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं, जिनमें से एक लाख 74 हजार 967 आवास हितग्राहियों द्वारा बनाए गए हैं। वहीं किफायती आवासीय परियोजनाओं के तहत 21 हजार 600 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत प्रदेश के नगरीय निकायों में अभी कुल 48 हजार 346 आवासों का काम प्रगति पर है, जिन्हें तेजी से पूरा किया जा रहा है।

# सभी जिम्मेदारियों को समझते हुए शासन की योजनाओं का प्राथमिकता से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें - प्रभारी सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले की प्रभारी सचिव अलरमेल मंगई डी ने आज शनिवार को कोरबा के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि कोरबा एक महत्वपूर्ण जिला है। यहां बड़ी संख्या में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोग तथा बड़ी संख्या में श्रमिक निवास करते हैं। यहां शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए एवं आपस में समन्वय बनाकर टीम भावना से कार्य करने और कोरबा जिला को सभी योजनाओं में आगे बढ़ाने कहा। प्रभारी सचिव श्रीमती मंगई डी ने कोरबा जिले में महत्वपूर्ण स्थानों पर शिविर आयोजित करने और उनका पंजीयन कर श्रम विभाग योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण से जुड़े विभागों को भी श्रमिकों के हित में कार्य करते हुए योजनाओं से लाभान्वित करने कहा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन तथा डीएमएफ से स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने आश्वस्त किया कि शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन की दिशा में सभी अधिकारियों के समन्वय और सहयोग से कार्य करेंगे।

बैठक में प्रभारी सचिव ने राजस्व विभाग, जिला पंचायत, नगरीय निकाय, वन विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, आदिवासी विकास विभाग सहित अन्य विभागों में संचालित योजनाओं एवं महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा की। राजस्व विभाग अंतर्गत समीक्षा करते हुए उन्होंने नामांतरण, सीमांकन, डायवर्सन, विवादित एवं अविवादित प्रकरण की जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने ऑनलाइन प्रकरण दर्ज होने के पश्चात् समय सीमा के भीतर ऑनलाइन निराकरण करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत अंतर्गत उन्होंने मनरेगा, अमृत सरोवर, वनाधिकार पट्टाधारियों के अंतर्गत स्वीकृत कार्य, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की और पीएम आवास निर्माण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने नगरीय निकाय अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना, मोर मकान मोर चिन्हारी, मोर जमीन मोर मकान, मदवार स्वीकृत निर्माण कार्यों की जानकारी, पीएम स्वनिधि योजना, स्वच्छ भारत मिशन सर्वे तथा निकाय अंतर्गत आय-व्यय एवं राजस्व वसूली की जानकारी ली। उन्होंने जिले में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्लम सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर शिविर लगाकर लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कोरबा एवं कटघोरा वनमण्डल अंतर्गत उन्होंने हाथियों सहित अन्य वन्य प्राणियों से होने वाले जनहानियों, फसल हानि आदि की जानकारी ली और समय सीमा के भीतर संबंधितों को मुआवजा प्रदान करने के निर्देश दिए।

# पढ़ाई के साथ खेल भी जीवन के लिए महत्वपूर्ण है: केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जीवन में संपूर्ण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप बस्तर ओलम्पिक के माध्यम से गांव के प्रतिभाओं को निखारने का अच्छा अवसर मिला है। मंत्री कश्यप बस्तर ओलम्पिक-2024 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर बस्तर ओलम्पिक के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की पहल पर जनजातीय बाहुल्य और माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग में खेल के माध्यम से विकास और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया गया। इस आयोजन को लेकर बस्तर के युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया, जिसमें सुदूर गांवों से आए युवा अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। बस्तर ओलम्पिक-2024 के तहत नारायणपुर जिले में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 09 से 16 नवंबर तक किया गया, जिसमें नारायणपुर विकासखंड हेतु प्रतियोगिता का आयोजन 09 से 11 नवंबर तक नारायणपुर के परेड ग्राउंड और खेल परिसर में किया गया, जिसमें जिले के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ओरछा विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता 14 से 16 नवंबर तक आयोजन किया गया।

मंत्री कश्यप ने कहा कि इस अवसर का फायदा उठाते हुए राज्य स्तर तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित कर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़े। खिलाड़ियों को हमेशा खेल भावना के साथ खेलकर अपने अनुशासन का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ क्षेत्र के बच्चों ने मलखम्भ खेलों का हुंनरबाज बनकर देश के कई शहरों में प्रदर्शन कर अपने अबूझमाड़ का नाम रोशन किया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950